शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 129 | गुवाहाटी | रविवार, 8 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बीएपीएस ने यूक्रेन युद्ध के दौरान भारतीयों को युद्ध क्षेत्र से सुरक्षित... पेज 2
ट्रक हाईजैकिंग मामले में पत्रकार समेत आठ गिरफ्तार पेज 3
सहकारिता की सीमा भारत नहीं पूरा विश्व होना चाहिए : दत्तात्रेय होसबाले पेज 5
महिला जूनियर एशिया कप : भारतीय हॉकी टीम अपना खिताब बचाने को तैयार पेज 7

ढाका में उपद्रवियों ने मंदिर को किया आग के हवाले

कोलकाता। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कुछ दिनों पहले हिंदुओं के जाने-माने नेता चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। इस बीच, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) के एक और मंदिर में अराजक तत्वों की ओर से तोड़ा गया और आग लगा दी गई। हमला शनिवार तड़के इस्कॉन नमहट्टा मंदिर पर किया गया था। इस घटना में अभी तक किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। यह घटना देश में हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर किया गया एक और हमला है। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह दुखद जानकारी साझा की। उन्होंने आरोप लगाया कि पड़ोसी बांग्लादेश के ढाका जिले में स्थित उसके केंद्र को आज तड़के सुबह जला दिया। इतना ही नहीं उनके मुताबिक मंदिर में रखे देवी-देवताओं की मूर्तियां और अन्य सामान पूरी तरह जल गए। यह मंदिर ढाका के तुराग थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए राधारमण दास ने कहा कि बांग्लादेश में एक और इस्कॉन नमहट्टा केंद्र को जला दिया गया। श्री श्री लक्ष्मी नारायण की मूर्तियां और मंदिर के अंदर का सारा सामान पूरी तरह जल गया। यह केंद्र ढाका में स्थित है। आज तड़के सुबह दो से तीन बजे के बीच, अराजक तत्वों ने श्री श्री राधा कृष्ण मंदिर और श्री श्री महाभाग्य लक्ष्मी नारायण मंदिर को आग के हवाले कर दिया, जो हरि कृष्णा -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे भारतीय मूल के अमेरिकी

वाशिंगटन। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में भारतीय मूल के कई अमेरिकी अगले दो दिनों में अमेरिका की राजधानी और शिकागो में शांतिपूर्ण रैलियां आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। जेनोसाइड ऑफ हिंदूज इन बांग्लादेश (बांग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार) के विरोध में मार्च का आयोजन हिंदू एक्शन द्वारा सोमवार, नौ दिसंबर को व्हाइट हाउस के पास किया जा रहा है, जबकि *स्टॉप द जेनोसाइड : सेव हिंदू लाइव्स इन बांग्लादेश* का आयोजन रविवार, आठ दिसंबर को शिकागो -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिटिश राजघराने की ओछी हरकत

बांग्लादेशी हिंदुओं की आवाज उठाने पर भारतवंशी सांसद से छिन लिया सम्मान

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर कई देश के नेता चिंता जाहिर कर चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र भी पड़ोसी मुल्क में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार से चिंतित है। हालांकि, जब ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य रामी रेंजर ने बांग्लादेश के हालात पर चिंता जाहिर की तो उनको मिले सीबीई (कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर) सम्मान को रद कर दिया गया। यह कदम कथित संसदीय आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर उठाया गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

राजा, गुप्तचर और मंत्री तीनों का एक मत होना किसी भी मंत्रणा की सफलता है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

पीएम मोदी को जान से मारने की धमकी, जांच शुरू

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी दी गई। मुंबई पुलिस को शनिवार को व्हाट्सएप पर यह मैसेज मिला। मैसेज मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आया है कि पीएम को जान से मारने की धमकी देने वाला मैसेज -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत सरकार का हुआ विस्तार

चार नए मंत्रियों ने ली पद और गोपनीयता की शपथ

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में भाजपा नेतृत्वाधीन एनडीए राज्य सरकार का आज दूसरी बार विस्तार हुआ। राजधानी के पांजाबारी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मंत्रिमंडल में चार नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। दो मंत्रियों ने असमिया, एक ने हिंदी और एक ने बांग्ला भाषा में शपथ ग्रहण की। इस तरह अब असम सरकार में मंत्रियों की संख्या मुख्यमंत्री सहित कुल 18 हो गई है। शपथ ग्रहण करने वालों में प्रशांत फुकन, कौशिक रॉय, कृष्णेंदु पाल और रूपेश गोवाला शामिल हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ उनके मंत्रिमंडल के सभी सहयोगी एवं भाजपा के विधायक, सांसद, मुख्य सचिव, डीजीपी समेत अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में राजनेता मौजूद थे। चारों नए मंत्रियों में डिब्रूगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से 4 बार के विधायक प्रशांत फुकन, लखीपुर के विधायक कौशिक रॉय, पथारकांदी के विधायक कृष्णेंदु पॉल और दुमदुमा के विधायक रूपेश ग्वाला शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गत 5 दिसंबर को ही सोशल मीडिया पर नए मंत्रियों के नामों की घोषणा की थी। वहीं दूसरी ओर 5 दिसंबर को मंत्री संजय किसान ने कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। चार नए विधायकों के शपथ ग्रहण करने के साथ ही असम सरकार में मंत्रियों की संख्या मुख्यमंत्री सहित कुल 18 हो गई है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने 10 मई, 2021 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। डॉ. शर्मा के मंत्रिमंडल का पहली बार जून 2022 में विस्तार किया गया था। जयंत मल्ल बरुवा और नंदिता गार्लोसा को 2022 में मंत्रिमंडल के विस्तार के दौरान मंत्रालय मिले थे। उधर सीएम शर्मा ने कहा कि हमारे मंत्रालय में बराक घाटी से कोई प्रतिनिधित्व नहीं था। आज हमने अपने मंत्रिपरिषद में चार मंत्रियों को शामिल किया है। एक पद अभी भी खाली है और उसे आने वाले दिनों भर दिया जाएगा। असम में कई विकास गतिविधियां चल रही है। चार मंत्रियों को शामिल किए जाने से मंत्रिपरिषद मजबूत हो गई है।

दो एमसीएलए को बीटीसी के कार्यकारी सदस्य के रूप में शामिल किया गया

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के दो एमसीएलए ने आज कोकराझाड़ के बोड़ोफा नगवार स्थित बीटीसी विधान सभा हॉल में आयोजित एक औपचारिक शपथ ग्रहण समारोह में कार्यकारी सदस्य (ईएम) के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। नए शामिल किए गए ईएम में श्रीरामपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सजल कुमार सिंघा -शेष पृष्ठ दो पर

असम के देवजीत लोन सैकिया बने आईसीसी के निदेशक

गुवाहाटी। असम के लिए बहुत गर्व की बात है कि महाधिवक्ता देवजीत सैकिया को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का बोर्ड निदेशक नियुक्त किया -शेष पृष्ठ दो पर

असम में नहीं घुसी बीजीबी, मंदिर का काम जारी है : बीएसएफ

श्रीभूमी। बीएसएफ के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) का कोई भी जवान मंदिर निर्माण को रोकने के लिए असम में भारतीय क्षेत्र में नहीं घुसा। अधिकारी ने कहा कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है, लेकिन उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश का बल ऐसी गंभीर गलती करने की हिम्मत नहीं करेगा। घटना गुरुवार दोपहर की है, जब ऐसी खबरें आईं कि बांग्लादेश के सिलहट डिवीजन के जाकीगंज प्वाइंट पर तैनात बीजीबी सैनिकों की एक टीम भारतीय सीमा में घुस आई और मंदिर की मरम्मत कर रहे श्रमिकों को रोकने की कोशिश की। स्थिति को स्पष्ट करते हुए बीएसएफ के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

अष्टलक्ष्मी महोत्सव : पूर्वोत्तर राज्यों की अनूठी सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन, आज होगा समापन

नई दिल्ली (हि.स.)। पूर्वोत्तर राज्यों के प्राकृतिक मनोरम दृश्यों के साथ वहां के विविध सांस्कृतिक कला, शिल्प और परंपराओं का सुंदर प्रदर्शन इन दिनों राजधानी के भारत मंडपम में चल रहा है। अष्टलक्ष्मी महोत्सव प्रगति और परंपरा दोनों के सार को खूबसूरती से दर्शाता है। यह पूर्वोत्तर भारत की परिवर्तनकारी यात्रा की एक झलक पेश करता है। उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनियर) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इस महोत्सव में सभी आठों राज्यों की सांस्कृतिक, परंपरा और लोककला की विशेषताओं को दर्शाया जा रहा है। पेड़ पर लगने वाले टमाटर से लेकर दुनिया की सबसे तीखी मिर्च तक, वहां के सिल्क साड़ियों के प्रदर्शन से लेकर ईरी और मूगा रेशम के धागे तैयार करने की प्रक्रिया तक, हाथों से बुने स्वेटर से लेकर हथकरघा में तैयार होते शॉल तक सब एक छत के नीचे देखने को -शेष पृष्ठ दो पर

धुबड़ी में दुर्गा मंदिर के पास गाय का सिर मिलने से विरोध प्रदर्शन

धुबड़ी। असम के धुबड़ी के झगरारपार इलाके में खलीलपुर आमबागान सार्वजनिक मां दुर्गा मंदिर परिसर के पास एक गाय का सिर मिलने से तनाव फैल गया। इस घटना में शामिल लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर मुस्लिम और हिंदू दोनों समुदाय एकजुट हो गए, जिसके बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शनकारियों ने कई घंटों तक सड़कें जाम कीं, उनका कहना था कि अज्ञात अपराधी समुदाय के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। एक प्रदर्शनकारी के अनुसार, यह दो समुदायों को विभाजित करने का -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में पकड़े गए बांग्लादेशी ने कहा–

भारतीय जेल में रह लेंगे लेकिन वापस नहीं जाएंगे

अगरतला (हि.स.)। बांग्लादेश के निवासी शंकर चंद्र सरकार (40) का कहना है कि वह अपने परिवार के साथ भारतीय जेल में रहना पसंद करेंगे, लेकिन बांग्लादेश वापस नहीं जाएंगे। बांग्लादेश के किशोरगंज जिले के धनपुर गांव के रहने वाले ऑटो चालक शंकर को पूरे परिवार के साथ शनिवार को त्रिपुरा के धलाई जिले के अंबासा थाना क्षेत्र से रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने पकड़ा है। पत्रकारों से बात करते हुए शंकर चंद्र सरकार ने बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शेख हसीना सरकार के पतन होने के बाद से बांग्लादेश में स्थिति असहनीय हो गई है। हमारे जैसे अल्पसंख्यक अब वहां सुरक्षित नहीं हैं। वहां पत्नी और बच्चों के साथ रहना -शेष पृष्ठ दो पर

आई.एन.डी.आई.ए. को मैंने बनाया दायित्व लेने को तैयार : ममता

समर्थन में आए शरद पवार

कोलकाता/कोल्हापुर। बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने दावा किया कि विरोधी दलों के गठबंधन आई.एन.डी.आई.ए. को उन्होंने तैयार किया था और इसका दायित्व मिलने पर वे इसे बंगाल से चला सकती हैं। एक समाचार चैनल को दिए गए साक्षात्कार में मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी जो लोग आई.एन.डी.आई.ए. का नेतृत्व कर रहे हैं, वे इसे ठीक से चला नहीं पा रहे हैं। वे लोग मुझे पसंद नहीं करते, लेकिन मैं सभी राष्ट्रीय व क्षेत्रीय दलों के संपर्क में हूं और उन सबसे अच्छे संबंध बनाकर चलती हूं। ममता ने कहा कि आई.एन.डी.आई.ए. का -शेष पृष्ठ दो पर

मचने वाली है तबाही! सीरियाई विद्रोहियों ने छीन लिया रूस का फाइटर जेट

ईरान ने अपने नागरिकों को निकाला भारत ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। सीरिया के हालात दिन बा दिन बिगड़ते जा रहा है और धीरे-धीरे सीरिया का ज्यादातर क्षेत्र असद सरकार के हाथ से निकल रहा है। विद्रोहियों ने अलेप्पों शहर के बाद हामा और दर्रा पर भी कब्जा कर लिया और अब वे होम्स की तरफ बढ़ रहे है। सीरियाई सेना लगातार क्षेत्र छोड़कर राजधानी दमिश्क की तरफ हट रही है। सेना के पीछे हटने के साथ सैन्य बेस और ठिकानों पर विद्रोही गुट कब्जा जमा रहे हैं और सेना के हथियार जब्त कर रहे हैं। खबर है कि विद्रोहियों ने हमला करते हुए सीरियाई वायु सेना के कई मिग-23 लड़ाकू विमान अपने कब्जे में ले लिए हैं, साथ-साथ सीरियाई सेना के अन्य हवाई और जमीनी उपकरणों पर भी कब्जा कर लिया है। हयात तहरीर अल शाम के लड़ाकों ने अलेप्पो के नेयराब एयरबेस से कई मिग-23 फाइटर प्लेन को जब्त किया। सोशल मीडिया साइट एक्स पर विद्रोहियों की ओर से एयरबेस पर कब्जा करने की कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए गए हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ मुद्दे पर मुसलमानों का साथ दें, ईसाई सांसदों का कैथोलिक संगठन से आग्रह

नई दिल्ली। ईसाई सांसदों ने राष्ट्रीय राजधानी में कैथोलिक बिशप कांफ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) की बैठक में कहा कि ईसाई समुदाय को वक्फ विधेयक पर एक सैद्धांतिक रुख अपनाना चाहिए क्योंकि यह संविधान में निहित अल्पसंख्यकों के अधिकारों को प्रभावित करता है। भारत में कैथोलिक ईसाइयों के शीर्ष संगठन सीबीसीआई ने तीन दिसंबर को सभी ईसाई सांसदों की एक बैठक बुलाई थी। बैठक में करीब 20 सांसदों ने हिस्सा लिया, जिनमें से ज्यादातर विपक्षी दलों के थे। बैठक में मौजूद रहे एक सूत्र ने बताया कि बैठक में शामिल होने वाले सांसदों में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रायन, कांग्रेस सांसद हिबी ईडन, डीन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बीएपीएस ने यूक्रेन युद्ध के दौरान भारतीयों को युद्ध क्षेत्र से सुरक्षित निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण (बीएपीएस) संस्था के स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि बीएपीएस ने यूक्रेन युद्ध के दौरान पोलैंड पहुंचे भारतीयों को युद्ध क्षेत्र से सुरक्षित निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित कार्यकर्ता सुवर्ण महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने सामाजिक कल्याण और सामुदायिक सेवा में बीएपीएस के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला तथा एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में स्वयंसेवा के महत्व पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए स्वयंसेवा बहुत जरूरी है। उन्होंने अन्य लोगों से संस्थान के स्वयंसेवकों द्वारा स्थापित उदाहरण का अनुसरण करने का आग्रह किया। बीएपीएस के सेवा अभियानों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भुज में भूकंप से हुई तबाही के बाद के हालात हो, नरनारायण नगर गांव का पुर्ननिर्माण हो, चाहे केरल की बाढ़ हो, उत्तराखंड में भू-स्खलन की पीड़ा हो या फिर कोरोना जैसी महामारी की आपदा हो कार्यकर के स्वयंसेवक हर जगह करुणा भाव से सेवा करते हैं। मोदी ने कहा कि जब यूक्रेन में युद्ध बढ़ने लगा तो भारत सरकार ने तुरंत वहां फंसे भारतीयों को निकालने का फैसला किया। इसके बाद बड़ी संख्या में भारतीय पोलैंड पहुंचने लगे। हालांकि, युद्ध के उस माहौल में पोलैंड पहुंचे भारतीयों को मदद पहुंचाना चुनौती थी। ऐसे में बीएपीएस के एक संत से बात हुई और उन्होंने सहयोग किया। रातों-रात पूरे यूरोप से बीएपीएस कार्यकर्ता एकजुट हो गए। बीएपीएस की ये ताकत, वैश्विक स्तर पर मानवता के हित में आपका योगदान बहुत ही सराहनीय है। प्रधानमंत्री ने इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्व के 28 देशों में भगवान स्वामी नारायण के 1800 मंदिर और 21000 हजार से ज्यादा आध्यात्मिक केंद्र हैं। ये विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृति के केंद्र हैं। आज बीएपीएस के कार्यकर दुनिया भर में सेवा के माध्यम से करोड़ों लोगों के जीवन में परिवर्तन ला रहे हैं। अपनी सेवा से करोड़ों आत्माओं का स्पर्श कर रहे हैं और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को सशक्त कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा को सबसे बड़ा धर्म माना गया है। सेवा परमो धर्म: - ये सिर्फ शब्द नहीं, ये हमारे जीवन मूल्य हैं। सेवा को श्रद्धा, आस्था और उपासना से भी ऊंचा स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि जन सेवा को जनार्दन सेवा के बराबर बताया गया है।

मंदिर के दान पात्र से नगदी की चोरी

दरंग (हिंस)। दरंग जिले के सिपाझाड़ इलाके में स्थित श्रीश्री पद्मनाथ देवालय में चोरी होने का मामला शनिवार को सामने आया। मंदिर परिचालन समिति ने बताया है कि मंदिर के चार दानपात्र का ताला तोड़कर चोरों द्वारा दानपात्र से लगभग 40 हजार रुपए की चोरी की गई। चोर नगद रुपए के अलावा मंदिर के पानी का मोटर भी चुरा कर अपने साथ ले गए। बीती रात इलाके में बिजली भी नहीं थी। जिसका फायदा उठाते हुए चोर ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। पिछले वर्ष भी इसी देवालय में चोर प्रवेश कर दानपत्र से पैसा चुराकर ले गए थे। घटना के संबंध में मंदिर परिचालन समिति द्वारा स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

राज्य में सुरक्षाबलों ने छह घुसपैठियों को वापस भेजा बांग्लादेश

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि पुलिस ने दो महिलाओं समेत छह बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ कर पड़ोसी देश के अधिकारियों को सौंप दिया। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ कर उन्हें वापस भेज दिया गया। असम पुलिस के कर्मियों ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास 6 लोगों को पकड़ा गया था। उनके कागजात और पूछताछ में सामने आया कि वो बांग्लादेश से हैं। ऐसे में पुलिस ने उन्हें वापस से उनके देश भेज दिया। पकड़े गए लोगों की पहचान मोहम्मद दीदारुल इस्लाम, संतू खान, इस्माइल हुसैन राहत, साकिब हुसैन, शाति अख्तर और मीम शेख के रूप में हुई। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों को उनके देश वापस भेज दिया गया है। घुसपैठी भारत-बांग्लादेश सीमा के किस सेक्टर की सीमा से पकड़े गए थे, इसकी जानकारी नहीं हो पाई है। घुसपैठियों के मामले पिछले कुछ समय से बढ़ गए हैं। ऐसे में सेना और असम पुलिस की तरफ से सीमावर्ती क्षेत्रों पर चौकन्ने होकर उसकी निगरानी की जा रही है। देश में घुसपैठियों को रोकने के लिए सरकार की तरफ से भी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। इस साल अगस्त में बांग्लादेश में अशांति फैलने के बाद से अब तक लगभग 167 लोगों को घुसपैठ करने के लिए पकड़ा गया और वापस भेज दिया गया। बांग्लादेश में हिंदू और अल्पसंख्यकों को लेकर हिंसा की खबरें सामने आ रही है। ऐसे में उससे सीमा लगने वाले क्षेत्र पर सुरक्षाबलों की चौकसी ज्यादा बनी हुई है। घुसपैठ कराने वालों में महिलाएं भी शामिल हैं।

अज्ञात शव

गुवाहाटी। महानगर के जीएमसीएच में ऑडिटोरियम के पास सुबह 10 बजे एक अज्ञात व्यक्ति को मृत अवस्था में पाया गया। 55 वर्षीय उस व्यक्ति की पहचान अभी तक हो नहीं पाई है। जीएमसीएच कार्यालय की ओर इस घटना की जानकारी भांगागढ़ थाने को दे दी गई है। अब तक किसी ने इसकी पहचान नहीं की है। मृत व्यक्ति को जीएमसीएच के मुर्दाघर में पहचान के लिए रखा गया है।

मनाली में होटल में लगी भीषण आग करोड़ों के नुकसान की आशंका

मनाली। हिमाचल प्रदेश के पर्यटन नगरी मनाली के अंतर्गत रांगड़ी-सिमसा मार्ग पर संध्या रिजॉर्ट होटल मे भयंकर आग भड़क गई। जिससे करोड़ों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। होटल मे ठहरे सभी पर्यटक सुरक्षित है। अभी तक किसी तरह के जानी नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि पर्यटकों का सामान आग में जल गया। प्रशासन की पूरी टीम मौके पर पहुंची है। पर्यटकों के ठहरने की भी व्यवस्था कर ली गई है। जानकारी के मुताबिक देर शाम लगभग पांच बजे सिमसा मे स्थित संध्या रिजॉर्ट में अचानक आव लग गई। होटल भुंतर निवासी खूब राम (पंपु) का बताया जा रहा है। होटल स्टाफ के अनुसार सबसे पहले आग कमरा नंबर 301 में लगी। जिसने देखते ही देखते पूरे होटल को अपनी चपेट मे ले लिया। आग कैसे लगी इसका पता नहीं चल पाया है। आशंका जताई जा रही है कि हीटर ऑन रहने के कारण यब हादसा हुआ होगा।

झटमारी मामले में शामिल व्यक्ति गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की गोरचुक पुलिस ने झपटमारी में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आधार चलाए गए अभियान के दौरान झपटमारी में शामिल शातिर अपराधी विश्वजीत बोड़ो (22) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी गोरचुक इलाके का रहने वाला है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

No.KDB-448/2023-2024/10673 *Dated Gurufela the 06/12/2024*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight and twenty five rupees) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be covered and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractor Class-I (A, B, C) & Class-II Categories Assam P&RD and BTC, according to their eligibility for submitting tenders for the works under SOPD-G fund for the year 2024-25 as stated below. The tender will be received by the undersigned upto 2.00 PM of 26/12/2024 and will be opened on the next day at 3.PM.

Sl. No.	Name of Work	Location	Estimated value (Rs. In lakh)	Cost of bid document	Amount of bid security	Time of completion
1	2	3	4	5	6	7
1	Const. of open cultural stage at Jambuguri H.E. School under Kachugaon Dev. Block	Jambuguri	Rs. 10.00 L	0.03%	SC/ST= 1% OTH = 2%	3 months

Details N.I.T may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned tender will be issued to the contractors of their authorized agent from 06/12/2024 to 26/12/2024 in the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/banker's cheque from any Nationalized bank, duly pledged in favour of the BDO, Kachugaon Dev. Block, Gurufela.

Sd/-
Block Development Officer,
Kachugaon Dev. Block, Gurufela

IPR(BTC)-2023-24/1033

पृष्ठ एक का शेष

ढाका में उपद्रवियों ने...

नमहट्टा संघ के अंतर्गत आता है। यह मंदिर ढाका जिले के धौर गांव में स्थित है और तुराग थाना क्षेत्र के तहत आता है। उन्होंने यह भी कहा कि आग मंदिर के पीछे लगी टिन की छत को उठाकर पेट्रोल या ऑक्टेन का इस्तेमाल करके लगाई गई। इतना ही नहीं उन्होंने दावा किया कि हमले जारी हैं और इस्कॉन द्वारा बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का ध्यान इस ओर खिंचने के बावजूद पुलिस-प्रशासन द्वारा उनकी शिकायतों को दूर करने और उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए बहुत कुछ नहीं किया जा रहा है। अंतरिम सरकार के गठन और अगस्त में अवामी लीग के सत्ता से हटने के बाद से पिछले चार महीनों में बांग्लादेश के विभिन्न स्थानों पर इस्कॉन की संपत्तियों पर हमले हुए हैं। इस बीच, पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि बांग्लादेश के ढाका में इस्कॉन नमहट्टा केंद्र पर लगाई भयानक आगजनी की कड़ी निंदा करता हूं, जिसने लक्ष्मी नारायण की मूर्ति और पवित्र मंदिर की वस्तुओं को नष्ट कर दिया। यह पूजा स्थल के खिलाफ घृणा का एक अक्षम्य कार्य है। दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने और धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। गौरतलब है कि 26 नवंबर को हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की जमानत याचिका खारिज होने के बाद उनके समर्थकों ने जेल ले जा रहे जेल वैन को रोक दिया था। इस घटना के दौरान एक सरकारी वकील की मौत हो गई थी। दास को देशद्रोह के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था, जिससे राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। अन्य घटनाक्रमों में बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में अदालत परिसर में अफरातफरी नजर आई, जबकि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के कई नेताओं और करीबी सहयोगियों पर पुलिस सुरक्षा के बावजूद अदालत में पेशी के दौरान भीड़ ने हमला किया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर ...

में समुदाय के प्रतिष्ठित नेताओं द्वारा किया जा रहा है। पिछले कई महीनों में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अपराध का दस्तावेजीकरण करने के लिए भारतीय मूल के अमेरिकियों द्वारा गठित डब्ल्यूडब्ल्यूडॉटस्टॉपहिंदूजेनोसाइड ने कहा कि बांग्लादेश में स्थिति सिर्फ एक क्षेत्रीय संकट नहीं है, यह वैश्विक निहितार्थों के साथ एक मानवीय आपदा है। नरसंहार मानवता के खिलाफ अपराध है। हस्तक्षेप करना, सुरक्षा करना और आगे के अत्याचारों को रोकना अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है। इसने कहा कि हाल के दिनों में हिंदुओं के खिलाफ क्रूरता चौंकाने वाले स्तर तक बढ़ गई है। *हिंदू ऐक्शन* के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने अमेरिका के निवर्तमान बाइडन-हैरिस प्रशासन से बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कट्टरपंथी इस्लामी चरमपंथियों द्वारा हिंसा को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए हर संभव उपाय करने का आह्वान किया। मुस्लिम बहुल बांग्लादेश में पांच अगस्त को शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से 50 से अधिक जिलों में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर 200 से अधिक हमले हुए हैं।

बांग्लादेशी हिंदुओं की...

रेंजर ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे चुनौती देने का फैसला लिया है। उन्हें महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा ब्रिटिश व्यापार और एशियाई समुदाय के लिए उनकी सेवाओं के लिए यह सम्मान दिया गया था। खालिस्तानी अलगाववादी आंदोलनों के आलोचक रेंजर ने न्यायिक समीक्षा और यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय में अपील सहित कानूनी कार्रवाई के अपने निर्णय की घोषणा की है। रेंजर ने कहा कि आज मैंने खालिस्तानियों के खिलाफ खड़े होने के लिए अपना सीबीई खो दिया है, जो भारत को तोड़ना चाहते हैं। उनकी टिप्पणी इस बात को रेखांकित करती है कि यह निर्णय ब्रिटिश लोकतंत्र और कानून के शासन को कमजोर करता है। रेंजर ने कहा कि उनके सम्मान को रद करने का निर्णय परेशान करने वाला है। यह निर्णय सभी ईमानदार नागरिकों पर गंभीर प्रभाव डालेगा कि उन्हें अपनी बात नहीं कहनी चाहिए, क्योंकि अगर वे देश को नुकसान पहुंचाने की इच्छा रखने वालों के खिलाफ खड़े होते हैं तो सम्मान खो देंगे। रामी रेंजर ने बताया कि उन्हें पद छीने जाने की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में अभिव्यक्ति की आजादी कम करने की कोशिश की जा रही है। वहीं, देश में गलत लोगों को सम्मानित किया जा रहा है। वो कानून की मदद लेंगे और वो ज्यूडिशियल रिव्यू करेंगे और यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय में ले जाने का प्लान बना रहे हैं। रामी रेंजर के खिलाफ शिकायत है कि जब बीबीसी की एक डॉक्यूमेंट्री *इंडिया : द मोदी क्वेश्चन* प्रकाशित हुई थी, तब वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बचाव में उतरे थे और उन्होंने डॉक्यूमेंट्री की आलोचना की थी। वहीं, उन्होंने भारत में प्रतिबंधित अमेरिका स्थित समूह सिख्स फॉर जस्टिस से जुड़े और साउथहॉल गुरुद्वारे के एक ट्रस्टी के बारे में की गई टिप्पणियों की आलोचना की थी। रामी रेंजर के अलावा, अनिल भनोट की सम्मान भी छीन ली गई। अनिल भनोट को ओबीई (ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर) के पद से हटाया गया है। अनिल भनोट को सामुदायिक एकजुटता को बढ़ावा देने के लिए ओबीई के पद से सम्मानित किया गया था। अनिल भनोट ने कहा कि पद छीने जाने की सबसे बड़ी वजह इस्लामाफोबिया है।

दो एमसीएलए को ...

और चिरांग निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए सैकोंग बसुमतारी शामिल हैं। बीटीसी के प्रधान सचिव आकाशदीप ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस समारोह में बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो, बीटीसी विधान सभा के अध्यक्ष कटि राम बोरो, सांसद जयंत बसुमतारी, ईएम और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

असम के देवजीत ...

गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का प्रतिनिधित्व करते हुए सैकिया ने दुबई में आईसीसी मुख्यालय में आधिकारिक तौर पर अपनी नई भूमिका संभाली। सोशल मीडिया पर आभार व्यक्त करते हुए सैकिया ने प्रमुख हस्तियों, खास तौर पर आईसीसी के मौजूदा चेयरमैन जय शाह से मिले समर्थन को स्वीकार किया। उन्होंने लिखा कि कल दुबई में बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व करते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के बोर्ड निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला... जय (भाई) शाह के अपार समर्थन और प्रोत्साहन के लिए उनका बहुत आभारी हूं... विनम्र और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। आईसीसी की नई जिम्मेदारियों के अलावा सैकिया बीसीसीआई के संयुक्त सचिव के रूप में भी काम करेंगे। असम क्रिकेट एसोसिएशन के महासचिव के रूप में अपने कार्यकाल सहित अपने विशाल प्रशासनिक अनुभव के साथ, सैकिया की नियुक्ति क्रिकेट और खेल प्रशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

असम में नहीं घुसी ...

कि यह मंदिर असम के श्रीभूमि जिले में कुशियारा नदी के तट पर स्थित है और अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगभग 120 गज की दूरी पर है। बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि 5 दिसंबर 2024 को दोपहर करीब 1 बजे 19 बीजीबी के कमांडिंग ऑफिसर ने बीएसएफ सीओ 16 बटालियन के साथ एक नीली स्क्रीन की तस्वीर साझा की और बताया कि स्क्रीन के नीचे कुछ रक्षा कार्य चल रहा है जो आईबी से 150 गज के भीतर है। सीओ बीएसएफ ने पुष्टि की और बताया कि एक पुराने मंदिर की मरम्मत और रखरखाव का काम चल रहा है। बाद में, यह दिखाने के लिए स्क्रीन हटा दी गई कि कोई रक्षा कार्य नहीं चल रहा था, जिसके बाद बीजीबी सीओ ने कोई विरोध नहीं किया। अधिकारी ने बताया कि शाम को करीब 4 बजे बीजीबी के अनुरोध पर नदी के बीच में कमांडर स्तर की फ्लैग मीटिंग हुई और उन्होंने इस मुद्दे को उठाया। उन्हें तथ्यों से अवगत कराया गया और मामला सुलझा लिया गया। फिलहाल, निर्माण कार्य जारी है और बीजीबी की ओर से कोई विरोध नहीं किया गया है।

अष्टलक्ष्मी महोत्सव : पूर्वोत्तर ...

मिलेगा। महिला कारीगरों द्वारा तैयार कपड़े, सजावटी सामान को खरीदा भी जा सकता है। इसके साथ यहां आठों पूर्वोत्तर राज्यों के साथ जीआई टैग, और सिल्क बनाने की प्रक्रिया प्रदर्शित करने के लिए अलग मंडप बनाया गया है। मेघालय के मंडप में वहां के लिविंग ब्रिज को दर्शाया गया है, नगालैंड मंडप को बांस से सजाया गया है। असम के मंडप में वहां के अलग अलग प्रकार की चाय, अचार, और मिर्च से बने सॉस लिए जा सकते हैं। इसके साथ भारत मंडपम के हॉल नंबर 14 में कई रोबोट भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, जो पूर्वोत्तर राज्यों की झलक दिखा रही है। लोग इन रोबोट के साथ फोटो भी खिंचवाते नजर आ रहे हैं। अष्टलक्ष्मी महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तकनीकी सत्र में भाग लिया, जिसका विषय था समृद्धि की ओर: विकसित भारत के लिए पूर्वोत्तर की प्रगति को गति देना। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक क्षमता को वैश्विक स्तर पर उजागर करना प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण है। उस लक्ष्य को पूरा करने के लिए दिल्ली में अष्टलक्ष्मी महोत्सव का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे 8 राज्यों की सांस्कृतिक क्षमताओं को 6-8 दिसंबर तक विभिन्न मंडपों में प्रदर्शित किया जाएगा। तकनीकी सत्र में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने पूर्वोत्तर में प्रगति के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया। तमांग ने सतत विकास, जैविक खेती और इको-पर्यटन में सिक्किम की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और इन पहलों को पूर्वोत्तर क्षेत्र में समावेशी विकास के मॉडल के रूप में पेश किया। इस सत्र में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा भी शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि *अष्टलक्ष्मी* यानि आठ पूर्वोत्तर राज्य- असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम का महोत्सव है। इस महोत्सव में 250 से अधिक कारीगर अद्वितीय हस्तशिल्प, हथकरघा और कृषि-बागवानी उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें 34 जीआई-टैग वाली वस्तुएं शामिल हैं। इस महोत्सव में डिजाइन कॉन्क्लेव और फैशन शो में पारंपरिक और आधुनिक फैशन भी लोगों के आकर्षण का केंद्र है। रविवार को शिलांग चैंबर कॉयर और पारंपरिक नृत्य सहित जीवंत सांस्कृतिक प्रदर्शन आयोजित होंगे।

धुबड़ी में दुर्गा मंदिर ...

एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। प्रदर्शनकारियों ने न्याय मिलने तक अपना आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया। कुछ लोगों ने इस घटना को असम सरकार द्वारा सार्वजनिक रूप से गोमांस की बिक्री और खपत पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध से जोड़ा है, जिससे एक व्यापक साजिश की अफवाहों को हवा मिली है। बहुत से लोगों का मानना है कि इस घटना की साजिश सांप्रदायिक सद्भाव को खतरे में डालने के लिए रची गई थी। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने तुरंत कदम उठाया, गाय के सिर को हटाया और अतिरिक्त एसपी दीपज्योति तालुकदार और धुबड़ी सदर पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में जांच शुरू की। नागरिकों से शांति बनाए रखने का आग्रह करते हुए, अधिकारियों ने जनता से वादा किया कि अपराधियों को कड़ी सजा दी जाएगी। समुदाय के नेताओं ने इन विचारों को दोहराया, धैर्य और धैर्य का आग्रह किया। एक स्थानीय बुजुर्ग ने कहा कि एकता ही हमें मजबूत बनाती है। हम इस तरह की चीजों को हमें अलग नहीं करने दे सकते।

भारतीय जेल में रह ...

बहुत मुश्किल है। हमें लगातार हमलों और धमकियों का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि शिकायत दर्ज कराने से भी हमले किए जाते हैं। मैं अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए ऑटो चलाता हूं, लेकिन अब वहां जीवनयापन असंभव हो गया है। उन्होंने कहा कि हम शांति पाने के लिए सीमा पार कर आए हैं। भले ही इसके लिए हमें जेल जाना पड़े, लेकिन हम वापस जाने के बजाय जेल जाना पसंद करेंगे। हम यहां मेरे पिता सहित 10 लोग हैं। जंगल में रातें बिताने के बाद हम सीमा पार कर आज तड़के यहां पहुंचे हैं। एक व्यक्ति ने हमें सीमा पार करने में मदद की। हम ट्रेन से असम के सिलचर जा रहे थे। हम यहां मरने के लिए तैयार हैं, लेकिन हम वहां नहीं जाएंगे। जीआरपी ने एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सभी को अंबासा रेलवे स्टेशन के पास से हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए 10 लोगों में तीन पुरुष, छह महिलाएं और एक नाबालिग हैं। इन्होंने धलाई जिले के कमालपुर में सीमा पार करने की बात कबूल की।

आई.एन.डी.आई.ए. को मैंने ...

दायित्व मिलने पर मैं इसे बंगाल से भी चला सकती हूं। मैं बंगाल की मिट्टी छोड़कर कहीं नहीं जाना चाहती। मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं यहीं अंतिम सांस लूंगी। बता दें कि कुछ दिन पहले ही तृणमूल सांसद व लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक कल्याण बनर्जी ने कहा था कि कांग्रेस को अहंकार छोड़ आई.एन.डी.आई.ए. की कमान ममता बनर्जी को सौंप देनी चाहिए। तृणमूल सांसद कीर्ति आजाद ने भी इसकी वकालत की थी। इस बीच सूत्र दावा कर रहे हैं कि ममता तृणमूल में व्याप्त अंतर्द्वंद्व को देखते हुए जनवरी में पार्टी का विशेष अधिवेशन बुलाने की तैयारी कर रही हैं। इसमें पार्टी के समस्त सांसद, मंत्री-विधायक, नगर निकायों व पंचायतों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। अधिवेशन में ममता अंतर्द्वंद्व पर लगाम कसने के लिए कई बड़े फैसले ले सकती हैं। बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए वर्षव्यापी कार्यसूची की भी घोषणा की जा सकती है। साथ ही पार्टी में बड़ा फेरबदल देखने को भी मिल सकता है। उधर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के *इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने को इच्छुक* वाले बयान का एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी का रुख आक्रामक है। उन्होंने कई लोगों को खड़ा किया है। उन्हें ऐसा कहने का पूरा अधिकार है। ममता बनर्जी में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की क्षमता है। कोल्हापुर के एक प्रेस कांफ्रेंस में शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में महायुति की जीत के बाद विपक्ष को चिंता करने की जरूरत नहीं है। यह सच है कि हमारी हार हुई है। हमें इस पर निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि लोगों के पास वापस जाना चाहिए, क्योंकि चुनाव नतीजों को लेकर लोगों में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है। उनमें बहुत नाराजगी है। विपक्षी महाविकास अघाड़ी इसलिए काम करेगी कि सरकार अपने चुनाव से पहले किए गए सभी वादों को पूरा करे। इसमें लड़की बहिन योजना के तहत वित्तीय मदद को 1500 से बढ़ाकर 2100 तक करने का भी वादा शामिल है। वहीं महाविकास अघाड़ी के महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष का नेता चुने को लेकर शरद पवार ने कहा कि एमवीए के राजनीतिक दलों को इस पर जोर नहीं देना चाहिए। क्योंकि उनके पास आवश्यक संख्या नहीं है। विपक्ष की स्थिति पर उन्होंने कहा कि विधानसभा में विपक्ष की ताकत काफी कम है। लेकिन यहं कई युवा विधायक हैं जो एक-दो सत्रों के बाद मुद्दे उठाएंगे।

मचने वाली है तबाही...

ऐसे ही एक वीडियो में एक विद्रोही लड़ाकू विमान मिग-23 पर चढ़ते हुए देखा जा सकता है। बता दें कि वीडियो में विमान चालू हालत में नहीं लग रहा है। कुछ युद्ध-ट्रैकिंग और ओपन सोर्स इंटेलिजेंस (ओएसआईएनटी) अकाउंट्स के मुताबिक इनमें से कम से कम चार विमानों के साथ-साथ अज्ञात संख्या में एल-39 और एमआई-8 हेलीकॉप्टरों को जब्त कर लिया गया है, जबकि अन्य ने कहा कि विद्रोहियों ने कई हवाई ठिकानों पर लगभग सात मिग-23 को जब्त कर लिया है। हालांकि इन दावों की किसी ठोस सोर्स से पुष्टि नहीं हो पाई है। 27 नवंबर को असद सरकार के खिलाफ फिर से लड़ाई शुरू करने के बाद विद्रोहियों ने अलेप्पो, हामा और दर्रा पर कब्जा कर लिया है। असद सरकार के खिलाफ अल-कायदा से जुड़े गुट हयात तहरीर अल शाम के लड़ाके कई छोटे चरमपंथी गुटों के साथ मिलकर लड़ रहे हैं। हयात तहरीर अल शाम को संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों द्वारा प्रतिबंधित किया गया है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका और तुर्की का इस गुट को समर्थन मिल रहा है। हालांकि हयात तहरीर अल शाम के साथ लड़ रहे अलग-अलग विद्रोही समूहों की विचारधाराएं अलग-अलग हैं, लेकिन उनका सहयोग असद को सत्ता से हटाने के साझा एजेंडे पर आधारित है। वहीं असद सरकार को रूस, ईरान सहित क्षेत्र की शिया मिलिशियाओं का समर्थन हासिल है। उधर सीरिया में युद्ध शनिवार को भी बढ़ता रहा क्योंकि विद्रोही बलों ने कहा कि उन्होंने जॉर्डन के पास दक्षिणी शहर दारा पर कब्जा कर लिया है, और पिछले सप्ताह चौथे प्रमुख सीरियाई क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया है। 2020 के बाद से पहले हमले में जब विद्रोही समूहों को देश के सुदूर उत्तर में धकेल दिया गया था, हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) समूह के नेतृत्व वाले आतंकवादियों ने सीरिया के राजनीतिक परिदृश्य को अस्थिर करते हुए अलेप्पो, हमा और होम्स पर नियंत्रण कर लिया है। अचानक हुए इस हमले ने ईरान सहित सीमा पार से चिंता पैदा कर दी है, जिसने युद्धग्रस्त क्षेत्र से अपने नागरिकों और अधिकारियों को निकालना शुरू कर दिया है। विद्रोह सीरिया के तीन प्राथमिक सहयोगियों के लिए सापेक्ष कमजोरी के क्षण में आता है, जो कि उनके अपने क्षेत्रीय संघर्षों इजराइल के साथ ईरान के तनाव यूक्रेन पर रूसी सेना का आक्रमण और इजराइल के खिलाफ हिजबुल्लाह की लड़ाई। दारा पर विद्रोहियों का कब्जा सीरियाई विद्रोहियों के दावे के बाद हुआ है कि वे देश के तीसरे सबसे बड़े शहर होम्स तक पहुंच गए हैं, जिससे उन्हें सत्ता पर राष्ट्रपति बशर अल-असद की पकड़ बनाए रखने के लिए रणनीतिक रूप से अन्य शहरों पर कब्जा करने की स्थिति मिल गई है।

वक्फ मुद्दे पर मुसलमानों ...

कुरियाकोस, एंटो एंटनी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के सांसद जॉन ब्रिटास शामिल थे, जबकि केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन बाद में इसमें शामिल हुए। सीबीसीआई के अध्यक्ष आर्कबिशप एंड्रयूज ने बैठक की अध्यक्षता की, जो दशकों में पहली बार आयोजित की गई। बैठक के एजेंडे में समुदाय और उसके अधिकारों का समर्थन और सुरक्षा करने में ईसाई सांसदों की भूमिका, अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से ईसाइयों के खिलाफ बढ़ते हमले और खतरे, तथा ईसाई संस्थानों को निशाना बनाने के लिए विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) का दुरुपयोग शामिल था। सूत्र ने कहा कि एक वरिष्ठ विपक्षी सांसद ने सुझाव दिया कि समुदाय के नेतृत्व को *सकारात्मक बिंदुओं, समुदाय द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका* को भी रेखांकित करना चाहिए और केवल नकारात्मक समाचारों पर प्रतिक्रियावादी नहीं होना चाहिए। सरकार और जनता को यह बताने का सुझाव दिया गया कि ईसाई संस्थानों में चार में से तीन छात्र वास्तव में विभिन्न समुदायों से हैं। एक सांसद ने कहा कि इसे महज फोटो खिंचवाने के मौके के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, और इस बात पर जोर दिया कि ईसाई नेतृत्व को *संविधान की रक्षा नहीं करने वालों को बाहर निकालने* का निर्णय लेना चाहिए। बैठक में शामिल हुए एक सांसद ने पुष्टि की कि कई विपक्षी सांसदों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक के कुछ प्रावधानों पर कड़ी आपत्ति जताई, जो अब संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विचारार्थ है। विधेयक में अन्य प्रावधानों के अलावा, गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने के लिए केंद्रीय वक्फ परिषद और वक्फ बोर्ड की संरचना में बदलाव किया गया है। केरल के एक सांसद ने बताया कि लोकसभा और 10 राज्य विधानसभाओं में एंग्लो इंडियन (सभी ईसाई) के लिए सीटें समाप्त किए जाने का मुद्दा भी उठाया गया और हाल के वर्षों में कुछ ईसाई संगठनों के एफसीआरए लाइसेंस को रद्द किए जाने का मुद्दा भी उठाया गया। बैठक में शामिल एक नेता ने बताया कि बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई, लेकिन सांसदों ने 2014 से सरकार के साथ चर्च के संबंधों को लेकर नेतृत्व की तीखी आलोचना की।

पीएम मोदी को...

राजस्थान के अजमेर से भेजा गया था। मैसेज भेजने वाले संदिग्ध की तलाश में पुलिस टीम को अजमेर भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि मुंबई ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन के व्हाट्सएप नंबर पर कुछ घंटे पहले यह संदेश भेजा गया। इसमें कहा गया कि दो आईएसआई एजेंटों और पीएम मोदी को निशाना बनाने के लिए बम ब्लास्ट करने की साजिश की जा रही है। जांचकर्ताओं को संदेह है कि संदेश भेजने वाला मानसिक रूप से परेशान व्यक्ति है या शराब के नशे में उसने संदेश भेजा है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। मुंबई ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन पर पहले भी ऐसे धमकी भरे संदेश मिल चुके हैं। इससे पहले 27 नवंबर को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करके पीएम मोदी को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई थी। कॉल का पता पश्चिमी उपनगरों के अंबोली से लगाया गया और इसके बाद मामला दर्ज किया गया। मुंबई पुलिस की एक टीम ने महिला कॉलर का पता लगाया और उसे पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया था। जांच के बाद महिला मानसिक रूप से अस्थिर पाई गई और कॉल को *शरारत* के तौर पर पाया गया। अधिकारी ने बताया कि महिला का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। मुंबई ट्रैफिक पुलिस की व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर 7 नवंबर को कई संदेश आए, जिसमें कहा गया था कि संदेश भेजने वाला बिश्नोई गिरोह का सदस्य है। इस संदेश में चेतावनी दी गई थी कि अगर सलमान खान ने पांच करोड़ रुपए नहीं दिए तो उनकी हत्या कर दी जाएगी। भेजने वाले ने चेतावनी दी कि वह *मैं सिकंदर हूं* गीत के लेखक को भी मार देगा।

ट्रक हाईजैकिंग मामले में पत्रकार समेत आठ गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव पुलिस ने 26 अक्तूबर को धरमतुल इलाके से हुए एक ट्रक हाईजैकिंग मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक पत्रकार भी शामिल है। जिले की अपराध शाखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समीरन वैश्य ने शनिवार को बताया कि धरमतुल थाने में ट्रक हाईजैकिंग का मामला दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक ने मेरे नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया था। पुलिस की टीम ने असम और असम के बाहर अभियान चलाकर एक पत्रकार समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। 26 अक्तूबर को एक दल द्वारा धरमतुल थाना क्षेत्र से ट्रक को हाइजैक किया था। ट्रक में लगभग डेढ़ करोड़ रुपए से अधिक के टीवी, लैपटॉप, मोटर पार्ट्स, मोबाइल पार्ट्स सहित अन्य सामान लदा हुआ था। ट्रक में बजरंग लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट कंपनी द्वारा माल लोड कराया गया था। घटना के दूसरे दिन ट्रक को बरामद कर लिया गया। जिले के मौराबारी के बरसो दोलय गांव से तफज्जुल हुसैन और मन्नार अली को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद एक महीने से अधिक समय पुलिस की कई टीमों ने

असम के अलावा भारत के अन्य हिस्सों में हाईवे हाईजैकर के खिलाफ अभियान चलाया। अभियान के दौरान गोलाघाट जिले के सरुपथार पुलिस की मदद से मयना उर्फ इजूर रहमान को गिरफ्तार किया गया। वहीं शोणितपुर पुलिस की मदद से लालटाकुर इलाके से इलियास अहमद नामक खूंखार डकैत को गिरफ्तार किया गया। जिसके बाद से लैपटॉप समेत अन्य सामग्री बरामद किया गया। वहीं केरल और तमिलनाडु पुलिस की मदद से भी अभियान चलाया गया। केरल से इनाम अली को गिरफ्तार किया गया। जबकि अनारूल और नजमुल फरार होने में सफल रहा। बाद में दोनों सगे भाई अनारूल और नजमुल को गिरफ्तार किया गया। इस पूरे ट्रक हाईजैकिंग मामले का मास्टरमाइंड नजमुल बताया गया है। वहीं इस मामले में अन्य एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया जो खुद को पत्रकार बताता है। जिसकी पहचान अमीजुल अली के रूप में की गई है। जिसके पास से प्रेस के आई कार्ड के अलावा लोगो समेत अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद किया गया है। इस मामले में ट्रक चालक बादशाह अली को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सभी आरोपितों में दो ट्रक ड्राइवर हैं। गुवाहाटी से सामन लोड कर आने वाले ट्रैकों को नीली से धरमतुल इलाके में हाइजैकर गैंग रेकी करता और ट्रैकों को हाईजैक करता। हाइजैक ट्रक का 80 प्रतिशत से अधिक सामग्री को बरामद कर लिया गया है। इस मामले में पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार सभी आरोपितों से सघन पूछताछ की जा रही है।

असम पुलिस के प्रमुखों का पुनर्मिलन सेमिनार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस पहली बार 7 और 8 दिसंबर को असम पुलिस प्रमुखों के पुनर्मिलन सेमिनार का आयोजन कर रही है। सेमिनार में असम और मेघालय के सेवानिवृत्त डीजीपी और एएम कैडर के वे अधिकारी भी भाग ले रहे हैं, जो केंद्र सरकार के संगठनों के डीजी बन गए हैं। असम पुलिस महानिदेशक कार्यालय से दी गई जानकारी के अनुसार विरासत का सम्मान और भविष्य के लिए रोडमैप तैयार करने वाले इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। कार्यक्रम का आयोजन उलुबारी स्थित असम पुलिस मुख्यालय के एपीएचक्यू कॉन्फ्रेंस हॉल में किया जा रहा है।

बराकघाटी के होटल बांग्लादेशी नागरिकों को नहीं देंगे प्रवेश

हिंदुओं पर हमले को लेकर लिया फैसला

गुवाहाटी (हिंस)। असम के बराक घाटी के होटलों ने घोषणा की है कि पड़ोसी देश में हिंदुओं पर हमले बंद होने तक किसी भी बांग्लादेशी नागरिक को होटल में नहीं रखेंगे। बराक घाटी में कछार, श्रीभूमि (पूर्व में करीमगंज) और हैलाकांदी समेत तीन जिले शामिल हैं। बराक घाटी होटल और रेस्तरां एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबुल राय ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की स्थिति चिंताजनक है। हम इसे किसी भी तरह से स्वीकार नहीं कर सकते। हमने तय किया है कि जब तक स्थिति में सुधार नहीं होता और हिंदुओं पर अत्याचार बंद नहीं हो जाते तब तक हम बराक घाटी के तीनों जिलों में बांग्लादेश के किसी भी नागरिक को नहीं रखेंगे। यह हमारा विरोध है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश में स्थिरता लौट आए। स्थिति में सुधार होने पर ही हम अपने फैसले पर पुनर्विचार कर सकते हैं। कुछ दिन पहले श्रीभूमि जिला होटल एसोसिएशन ने बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न की हालिया घटनाओं का हवाला देते हुए बांग्लादेशी नागरिकों को अपने होटलों में प्रवेश करने पर प्रतिबंधित लगा दिया था। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और इस्कॉन के सदस्य चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के खिलाफ बराक घाटी के तीनों जिलों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

प्रवासी पक्षियों के कलरव से गूंज रहा बरसला बील

शोणितपुर (हिंस)। झुंड के झुंड प्रवासी पक्षियों के कोलाहल से इन दिनों शोणितपुर जिले में स्थित बरसला बील (झील) गुंजायमान है। प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी से बरसला बील को एक अनूठा आयाम मिला है। ओरांग नेशनल पार्क से सटे बरसला इलाके में स्थित बरसला बील इन दिनों लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। शोणितपुर का बरसला बील देशी और विदेशी पक्षियों के लिए एक अनूठी शरणस्थली बन गयी है। राज्य के अन्य हिस्सों की तरह, बरसला बील में सर्दियों में प्रवासी पक्षियों की आमद देखी जाती है। झुंड के झुंड पक्षियों को बील विचरते देख स्थानीय लोग रोमांचित हो रहे हैं। प्रवासी पक्षियों को पानी में जलक्रीड़ा करते देख लोग बरबस ही आकर्षित हो रहे हैं। प्रवासी पक्षियों के झुंड को कोई नुकसान न होने के कारण वर्षों से प्रवासी पक्षी इस तरह से बील में आ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने अफसोस जताया कि सरकार ने अभी तक बिल के संरक्षण को लेकर कोई प्रावधान नहीं किया है।

राज्यपाल ने की 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान की शुरुआत

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, 2025 तक टीबी को खत्म करने की असम की प्रतिबद्धता दोहराते हुए राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज यहां जीएमसीएच ऑडिटोरियम में 100 दिवसीय सघन टीबी उन्मूलन अभियान की शुरुआत की। गौरतलब है कि टीबी से निपटने के लिए देश से इसे पूरी तरह खत्म करने के उद्देश्य से, आज से 100 दिवसीय विशेष अभियान की शुरुआत हुई है, जिसका फोकस टीबी से अधिक प्रभावित जिलों पर है। कार्यक्रम के तहत बेहतर दवाओं और निदान के साथ-साथ रोगी सहायता राशि को भी दोगुना कर दिया गया है। 100 दिवसीय अभियान असम के 17 उच्च प्राथमिकता वाले जिलों को लक्षित करेगा और इसमें उच्च बोझ वाले क्षेत्रों का मानचित्रण, चाय बागानों, मलिन बस्तियों और खनन क्षेत्रों में कमजोर आबादी की पहचान, व्यापक जांच अभियान (निक्षय शिविर) और संसाधन जुटाने तथा जागरूकता बढ़ाने के लिए जन भागीदारी को बढ़ावा देने जैसी गतिविधियां शामिल हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल आचार्य ने टीबी के सामाजिक आर्थिक बोझ पर प्रकाश डाला, जो मुख्य रूप से समाज के गरीब वर्गों को प्रभावित करता है। उन्होंने असम में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के कार्यान्वयन को अभूतपूर्व सफल बनाने के लिए समुदाय द्वारा संचालित प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। टीबी उपचार के संबंध में राज्य की उपलब्धियों को बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि टीबी के कीटाणुओं से सफलतापूर्वक उपचारित होने वाले रोगी इस अभियान के दौरान टीबी चैंपियन के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने असम के अभिनव उपायों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों में टीबी सेवाओं का एकीकरण, चाय बागान क्षेत्रों में मुफ्त टीबी उपचार और चर क्षेत्रों में नाव क्लीनिकों के माध्यम से टीबी का पता लगाना, गर्भवती महिलाओं में टीबी की प्रारंभिक पहचान और प्रबंधन जैसी विशेष पहल शामिल हैं। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय मित्र अभियान के प्रयासों की भी सराहना की, जिसमें कॉर्पोरेट और सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं की व्यापक भागीदारी देखी गई है, जिसमें 8,200 से अधिक निक्षय मित्र इसी बीच ही पंजीकृत हो चुके हैं। ऑयल इंडिया, ओएनजीसी, गेल इंडिया और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया जैसे संगठनों के योगदान ने टीबी रोगियों को महत्वपूर्ण पोषण और उपचार सहायता प्रदान की है। आचार्य ने पूर्वोत्तर में टीबी उन्मूलन प्रयासों का नेतृत्व करने में असम की क्षमता पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि एक साथ मिलकर हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं और करेंगे।

चिरांग जिले में 100 दिवसीय राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले में 100-दिवसीय राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) का जिला स्तर पर शुभारंभ शनिवार को जेएसबी सिविल अस्पताल में किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के 2025 तक क्षय रोग उन्मूलन के मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन लोकसभा सांसद जयंता बसुमतारी ने किया, इस मौके पर चिरांग के जिला आयुक्त जतिन बोरा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान पांच *नि-क्षय वाहन* (मोबाइल मेडिकल यूनिट) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किए गए, जो चिरांग जिले के दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों में मुफ्त टीबी उपचार और डायग्नोस्टिक सेवाएं, जैसे एक्स-रे आदि प्रदान करेंगे। इस अवसर पर 10 बुजुर्ग टीबी विजेताओं/टीबी चैंपियंस को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपनी दृढ़ता से इस बीमारी को हराया। यह पहल विशेष

रूप से अधिक प्रभावित क्षेत्रों में क्षय रोग के मामलों की पहचान और उपचार पर केंद्रित है, साथ ही नए संक्रमणों को रोकने की दिशा में काम करती है। इस कार्यक्रम में चिरांग के एडीसी (स्वास्थ्य) फिरदौस आलम शेख, जेएसबी सिविल अस्पताल के अधीक्षक एवं संयुक्त जिला स्वास्थ्य सेवा अधिकारी डॉ. रिजाउल करीम, जिला टीबी अधिकारी डॉ. राजेश पांडे, जिला टीकाकरण अधिकारी, अस्पताल के कर्मचारी और जिला स्वास्थ्य समिति के प्रतिनिधि शामिल हुए।

राजभवन में मनाया गया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान को श्रद्धांजलि देने के लिए राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शनिवार को राजभवन में आयोजित एक समारोह में भारतीय सशस्त्र बलों के सदस्यों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने अपने जीवन की कीमत पर राष्ट्र के सम्मान की रक्षा की। उल्लेखनीय है कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस देश के सैनिकों, नौसैनिकों और वायुसैनिकों को सम्मानित करने के लिए 7 दिसंबर को मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। इस अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल आचार्य ने कहा कि वह भारतीय सशस्त्र बलों के उन वीर शहीदों को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। राज्यपाल उन बहादुर सैनिकों को हार्दिक बधाई देते हैं, जिन्होंने युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियानों में अनुकरणीय साहस का परिचय दिया है। उन सेवारत सैनिकों को भी नमन करते हैं, जो सभी परिस्थितियों में सतर्कता और निष्ठा से हमारी मातृभूमि की रक्षा करते हैं। राज्यपाल ने दोहराया कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस केवल सैनिकों के बलिदान का सम्मान करने का दिन नहीं होना चाहिए, बल्कि घायल कर्मियों और शहीदों के परिवार के सदस्यों के पुनर्वास सहित उनके कल्याण के प्रति समाज की जिम्मेदारी की याद दिलाने वाला दिन होना चाहिए। उन्होंने राष्ट्र के प्रति उनकी बेमिसाल सेवा के लिए कृतज्ञता की सच्ची अभिव्यक्ति के रूप में सशस्त्र बलों के परिवारों का समर्थन करने के महत्व पर प्रकाश डाला। सशस्त्र बलों की वीरता और

समर्पण पर विचार करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों का साहस और निस्वार्थता शब्दों से परे है। चाहे युद्ध संबंधी चुनौतियों का सामना करना हो, आंतरिक विद्रोहों का प्रबंधन करना हो या सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करना हो, उनका योगदान हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करता है। उनकी सेवा हमें वफादारी, बहादुरी और कर्तव्य के प्रति समर्पण के मूल्यों को संजोने और बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है। सरकार द्वारा की गई पहलों पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने *वन रैंक, वन पेंशन* के ऐतिहासिक कार्यान्वयन की सराहना की, जिसे उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को लाभ पहुंचाने वाला एक परिवर्तनकारी कदम बताया। राज्यपाल ने कहा कि यह योजना, जो अब 10 वर्ष पूरे कर रही है, सशस्त्र बलों के कल्याण के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आचार्य ने सैनिक कल्याण में असम के अनुकरणीय प्रयासों की भी सराहना की और कहा कि सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा लगभग 41,656 सेवानिवृत्त सैनिकों, 9,954 युद्ध विधवाओं और 103 विकलांग सैनिकों को सहायता प्रदान की गई है। 2,140 पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को 1.13 करोड़ की वित्तीय सहायता दी गई है।

शहीद परिवारों के लिए अनुग्रह राशि 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए कर दी गई है। 2 प्रतिशत के नौकरी आरक्षण ने पूर्व सैनिकों के लिए महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं, जिसमें 2024 में एपीएससी के माध्यम से 26 नियुक्तियां और असम सीमा पुलिस में 320 भर्तियां शामिल हैं। 2023-24 में 3,954 छात्रों को 1.7 करोड़ की छात्रवृत्ति प्रदान की गई, साथ ही पूर्व सैनिकों के बच्चों को मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में प्रवेश दिया गया। उन्होंने इस अवसर पर सभी नागरिकों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने की अपील की तथा दोहराया कि इस प्रकार का योगदान सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के प्रति राष्ट्र के सम्मान का प्रतीक है। इस अवसर पर लोक

लिंग आधारित हिंसा पर जागरूकता बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत सेंट्रल गुवाहाटी एकीकृत बाल विकास परियोजना के तहत सोनाराम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के परिसर में आज लिंग आधारित हिंसा पर एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में वार्ड नंबर 14 की पार्षद मंजू बोरा, मुख्य सेविका डॉली शर्मा, समाजसेवी मालविका चौधरी तथा सोनाराम हायर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल हिरणमयी भट्टाचार्य मौजूद थीं। इस दौरान घरेलू हिंसा के दुष्प्रभावों के सिलसिले में बाल विवाह को भी रेखांकित किया गया। किशोरियों के बीच लिंग आधारित हिंसा के विरोध में एक रैली निकाली गई। बैठक में केंद्रीय गुवाहाटी शिशु एकीकृत विकास परियोजना के भरलूमुख सर्किल के सभी आंगनबाड़ी कर्मियों, सहायिकाओं सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस दौरान छात्र-छात्राओं के बीच लिंग आधारित हिंसा को लेकर एक परिचर्चा भी आयोजित की गई।

पैसा छीनने के आरोप में दो गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के बिलासीपारा इलाके से पैसा छीनने की कोशिश करने के आरोप में स्थानीय लोगों ने दो झपटमारो को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बिलासीपारा स्टेट बैंक के पास के एटीएम बूथ से एक व्यक्ति द्वारा पैसा निकालने के दौरान दो युवक पैसा छीनने की कोशिश की। स्थानीय लोगों की मदद से पैसा छीनने की कोशिश करने वाले दोनों युवक को दौड़ा कर मौके पर मौजूद लोगों ने पकड़ लिया। पकड़े गए युवक की पहचान सलीम आलम मोल्ला (33) और अशरफुल शेख के रूप में की गई है। सलीम दक्षिण सलमारा के सुखचर सालापारा का रहने वाला बताया गया है। जबकि अशरफुल शेख फकीरगंज के सोलाकूरा का रहने वाला है। गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने नगद 3,510 रुपए, 29 विभिन्न बैंक के एटीएम कार्ड बरामद किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है

विधायक रबिराम नार्जारी ने दो नंबर दोतमा में खेल महारन का किया उद्घाटन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के दोतमा एचएस स्कूल मैदान में आज एचएलएसी स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस खेल महारन का उद्घाटन दो नंबर दोतमा के विधायक रबिराम नार्जारी ने किया। इस उद्घाटन समारोह में जिले के सहायक मैजिस्ट्रेट देबरसी भार्गव, दोतमा टीसीएलसीसी चेयरमैन जीतेंद्र ब्रह्म, वीडीओ बीमला बरगयारी और यूपीपीएल दोतमा ब्लॉक के अध्यक्ष शंकर लाल ब्रह्म के अलावा जिला स्पोर्ट अफसर प्रदीप कुमार नार्जारी सहित कई गण्यमान्य अतिथिगण उपस्थित थे। उद्घाटन के बाद विधायक नार्जारी ने मैच में भाग लिए खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाए और बॉल किक मारकर मैच की शुरुआत की।

मिजोरम से कृषि निर्यात को बढ़ावा देने की पहल शुरू

एजल। मिजोरम सरकार के सहयोग से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने मिजोरम और भारत के व्यापक पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आइजोल में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक (बीएसएम) आयोजित की। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक (बीएसएम) में मुख्य अतिथि के रूप में मिजोरम सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पु एफ रोडिंगलियाना, मिजोरम सरकार के मुख्य सचिव खिल्लीराम मीना, मिजोरम सरकार के मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. के सी लालमलसावमजौवा, मिजोरम सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार डॉ. सी वनलालरामसांगा उपस्थित थे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पु एफ रोडिंगलियाना ने अपने संबोधन में मिजोरम से निर्यात के लिए अदरक, हल्दी, मिजो मिर्च और ब्रूम ग्रास की संभावित उत्पादों के रूप में पहचान की। उन्होंने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों को राज्य के लिए वरदान बनने और राज्य की अप्रयुक्त क्षमता में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य सचिव श्री मीना ने राज्य के अन्ना दत्ता (किसानों) की जागरूकता पैदा करने और क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उनके

उत्पादों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के आर्थिक सलाहकार डॉ सी वनलालरामसांगा ने स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिले और राज्य को निर्यात केंद्र बनने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों पर जोर दिया। एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने बाजार पहुंच, प्रचार और आउटरीच के लिए प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी के लिए मिजोरम से किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ)/किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि एपीडा और मिजोरम सरकार राज्य से कृषि और जैविक निर्यात को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे। एपीडा और मिजोरम सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा, इस कार्यक्रम में 10 देशों के अंतरराष्ट्रीय खरीदारों, 27 से अधिक निर्यातकों और प्रदर्शकों, उद्योग के नेताओं और जैविक उत्पाद, बाजरा, शहद, ताजे फल और सब्जियां, प्रसंस्कृत खाद्य, मसाले और चाय जैसे क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। सार्वजनिक और निजी भागीदारों के इस सम्मेलन ने मिजोरम के कृषि-व्यवसाय और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात क्षेत्रों की क्षमता को अनलॉक करने के उद्देश्य से सार्थक संवाद की सुविधा प्रदान की। हितधारकों ने एनईआर में कृषि-बागवानी क्षेत्र में मूल्य श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करने के लिए एमओवीसीडी-एनईआर योजना के तहत किए गए पहलों पर जोर दिया और संशोधित राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) 2024, नए ट्रेसनेट सिस्टम का प्रदर्शन, राज्य में विपणन पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यावहारिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें मिजोरम के समृद्ध कृषि-जलवायु लाभों के रणनीतिक महत्व और भारत के कृषि निर्यात को आगे बढ़ाने में इसकी भूमिका को रेखांकित किया गया। राज्य के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र में सतत विकास के उद्देश्य से प्रमुख नीतिगत हस्तक्षेप, बुनियादी ढांचे के विकास और पहलों के माध्यम से भारत सरकार के निरंतर समर्थन पर प्रकाश डाला गया। अपनी गतिविधियों, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए, भारतीय मसाला बोर्ड, एनईआरएसीई, नाबार्ड और देश भर के 27 से अधिक प्रदर्शकों और प्रमुख निर्यातकों ने अनारस, ड्रैगन फ्रूट, अदरक, मसाले, पैशन फ्रूट, मैंडरिन, जैविक उत्पाद, मसाले और अनानास और जैम जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों का जीवंत प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित की गई, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों और भारतीय निर्यातकों के बीच सीधी बातचीत की सुविधा प्रदान की गई।

संपादकीय

'समंदर' लौट आया

अंततः देवेंद्र फडणवीस ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने। एनसीपी नेता अजित पवार तो जनादेश घोषित होते ही भाजपा मुख्यमंत्री को समर्थन देने को तैयार थे। उन्होंने समर्थन का ऐलान भी कर दिया था, लेकिन शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे शपथ-ग्रहण से कुछ घंटे पहले तक भी उपमुख्यमंत्री बनने पर सहमत नहीं थे। हालांकि फडणवीस ने शिंदे के साथ, बंद कमरे में, घंटों बातचीत की, उन्हें गठबंधन बरकरार रखने की राजनीतिक अनिवार्यता समझाई, कुछ आकर्षक पेशकश भी की गई होंगी, अलबत्ता गृह विभाग के लिए भाजपा साफ इंकार कर चुकी थी, लेकिन शिंदे आखिरी क्षणों तक भी मुख्यमंत्री से उपमुख्यमंत्री बनने को राजी नहीं हुए। आखिर वह कैसे भूल गए कि 40 विधायकों वाली शिवसेना को 104 विधायकों वाली भाजपा ने समर्थन देकर शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया था। पांच साल तक मुख्यमंत्री रहे फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनने को पार्टी नेतृत्व ने बाध्य किया था। बहरहाल मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों ने समन्वय और समर्थन के साथ शपथ ग्रहण की और कैबिनेट की पहली बैठक में ही कुछ महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगाई। फडणवीस ने सदन में जो कविता सुनाई थी, वह साकार हो उठी कि 'समंदर' एक बार फिर लौट आया है। देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा के चुनाव-अभियान का नेतृत्व किया था और 64 जनसभाओं को संबोधित भी किया था। उसके बावजूद मुख्यमंत्री बनने में 12 दिन लगे। यदि आरएसएस का अकाट्य और सार्थक समर्थन नहीं होता, तो शायद महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री भी गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और ओडिशा की तर्ज पर कोई अनजान चेहरा ही होता। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की यही राजनीति रही है कि वे पीछे बैठने वाले चेहरे को अचानक मुख्यमंत्री बनाते रहे हैं। संघ ने महाराष्ट्र में उस रणनीति के लिए प्रधानमंत्री मोदी को रोका और समझाया। अंततः फडणवीस पर ही अंतिम निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री फडणवीस के सामने कई गंभीर चुनौतियां हैं, हालांकि सरकार राजनीतिक तौर पर स्थिर है। महायुति सरकार को 'लाडकी बहिना' योजना के तहत 1500 रुपए से बढ़ा कर राशि 2100 रुपए माहवार करनी है। इस योजना को एकनाथ शिंदे अपनी मानस-योजना बताते हैं, जबकि भाजपा मप्र में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में यह चुनावी प्रयोग कर चुकी थी और घर-घर महिलाओं के खातों में पैसा भेजा जा रहा था। बहरहाल महाराष्ट्र में यह चुनावी संकल्प तो पूरा करना ही है, लेकिन महाराष्ट्र का आर्थिक यथार्थ यह है कि उस पर 7.82 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। वैसे भारतीय जीडीपी में महाराष्ट्र का योगदान 13.3 फीसदी का है, जो सर्वाधिक है। यदि 'लाडकी बहिना' की राशि 2100 रुपए करनी है, तो महाराष्ट्र में बुनियादी ढांचा विकास के लिए पूंजी की उपलब्धता कम पड़ सकती है। यदि राजस्व संग्रह बेहतर और अधिक नहीं हुआ, तो कुछ विशेषज्ञों के आकलन हैं कि आने वाले महीनों में सरकारी कर्मचारियों के वेतन-भत्ते देना भी मुश्किल हो सकता है। महाराष्ट्र देश के विकास और समृद्धि का 'प्रमुख इंजन' है। यदि वह वित्तीय गैर-जिम्मेदारी का 'पोस्टर ब्वॉय' बना, तो इससे बड़ी 'आर्थिक त्रासदी' कोई और नहीं हो सकती। भाजपा के नेतृत्व में 'महायुति सरकार' की छीछालेदर भी होगी। चुनावी दृष्टि से कई सरकारी योजनाएं घोषित की गई थीं, लाभार्थी समूह भी तैयार किया गया, उनके तहत विभिन्न समुदाय, जातियां, धर्म के लोग कवर किए गए, ओबीसी आरक्षण में ही मराठाओं का कोटा तय करने का आश्वासन दिया गया, अब उन सभी योजनाओं को प्राथमिकता के स्तर पर क्रियान्वित करना होगा। महायुति सरकार के सामने बड़ी आर्थिक चुनौतियां संकट पैदा कर सकती हैं।

एनसीपी नेता अजित पवार तो जनादेश घोषित होते ही भाजपा मुख्यमंत्री को समर्थन देने को तैयार थे। उन्होंने समर्थन का ऐलान भी कर दिया था, लेकिन शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे शपथ-ग्रहण से कुछ घंटे पहले तक भी उपमुख्यमंत्री बनने पर सहमत नहीं थे। हालांकि फडणवीस ने शिंदे के साथ, बंद कमरे में, घंटों बातचीत की, उन्हें गठबंधन बरकरार रखने की राजनीतिक अनिवार्यता समझाई, कुछ आकर्षक पेशकश भी की गई होंगी, अलबत्ता गृह विभाग के लिए भाजपा साफ इंकार कर चुकी थी, लेकिन शिंदे आखिरी क्षणों तक भी मुख्यमंत्री से उपमुख्यमंत्री बनने को राजी नहीं हुए। आखिर वह कैसे भूल गए कि 40 विधायकों वाली शिवसेना को 104 विधायकों वाली भाजपा ने समर्थन देकर शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया था। पांच साल तक मुख्यमंत्री रहे फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनने को पार्टी नेतृत्व ने बाध्य किया था।

अमेरिका को एक बार पुनः महान बनाने की बात भी जोर शोर से कही गई थी

अमेरिका में होने वाले सत्ता परिवर्तन का भारत पर सम्भावित असर

प्रह्लाद सबनानी

ट्रम्प प्रशासन ने अपने पहिले कार्यकाल में अमेरिका के रिश्तों को भारत के साथ मजबूत करने का प्रयास किया था। परंतु, नवम्बर 2024 में सम्पन्न हुए अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान श्री ट्रम्प लगातार यह आभास देते रहे हैं कि वे अमेरिका को एक बार पुन : विनिर्माण इकाईयों का हब बनाने का प्रयास करेंगे और इसके लिए अन्य देशों विशेष रूप से चीन से आने वाले सस्ते उत्पादों पर 60 प्रतिशत तक का आयात शुल्क लगा सकते हैं

दिनांक 20 जनवरी 2025 को अमेरिका में श्री डॉनल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति के रूप में दूसरी बार कार्यभार सम्हालने जा रहे हैं। ट्रम्प प्रशासन ने अपने पहिले कार्यकाल में अमेरिका के रिश्तों को भारत के साथ मजबूत करने का प्रयास किया था। परंतु, नवम्बर 2024 में सम्पन्न हुए अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान श्री ट्रम्प लगातार यह आभास देते रहे हैं कि वे अमेरिका को एक बार पुनः विनिर्माण इकाईयों का हब बनाने का प्रयास करेंगे और इसके लिए अन्य देशों विशेष रूप से चीन से आने वाले सस्ते उत्पादों पर 60 प्रतिशत तक का आयात शुल्क लगा सकते हैं, जिससे चीन से आयातित उत्पाद अमेरिका में महंगे हो जाएंगे एवं विनिर्माण इकाईयां अमेरिका में ही इन वस्तुओं का उत्पादन प्रारम्भ करेंगी। दूसरे, अमेरिका में आज भारी मात्रा में अन्य देशों से अप्रवासी नागरिक गैर कानूनी रूप से रह रहे हैं, विशेष रूप से अमेरिका के पड़ौसी देश मैक्सिको के नागरिक आसानी से सीमा पार कर अमेरिका में पहुंच जाते हैं, अतः गैर कानूनी रूप से अमेरिका में रह रहे नागरिकों को अमेरिका से बाहर भेजेंगे। उक्त दो विषयों को श्री ट्रम्प ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान जोर शोर से उठाया था। अमेरिका को एक बार पुनः महान बनाने की बात भी जोर शोर से कही गई थी। यदि ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में आयात कर को बढ़ा देता हैं तो इसका प्रभाव भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाले उत्पादों पर भी पड़े बिना नहीं रह सकेगा। हालांकि अमेरिका में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करना इतना आसान भी नहीं है क्योंकि अमेरिका में श्रम की लागत बहुत अधिक है। अमेरिका में निर्मित उत्पादों की लागत तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक रहने वाली है, इसके कारण एवं अमेरिका में आयातित उत्पादों पर आयात शुल्क के बढ़ाने से अमेरिका में मुद्रा स्फीति की समस्या भी पुनः खड़ी हो सकती है। दूसरे, अमेरिका यदि आयात को प्रतिबंधित करता है तो अमेरिकी डॉलर की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में और अधिक मजबूत होगी एवं अन्य देशों की मुद्राओं की बाजार कीमत गिरेगी जिससे इन देशों में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात और अधिक आकर्षक होने लगेंगे। बल्कि इससे तो भारत से टेक्स्टायल, लेदर, विनिर्माण एवं कृषि क्षेत्र से उत्पादों के निर्यात अमेरिका को बढ़ेंगे। अमेरिका से निर्यात कम होने लगेंगे क्योंकि अन्य देशों को अमेरिका से आयातित वस्तुओं

के एवज में महंगे डॉलर का भुगतान करना होगा। परंतु, ट्रम्प प्रशासन ने तो आगे आने वाले समय का आभास अभी से देना शुरू पर दिया है और मेक्सिको और कनाडा से आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत का आयात शुल्क एवं चीन से आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की घोषणा कर दी है। हालांकि अभी भारत से आयातित वस्तुओं पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की घोषणा अभी नहीं की गई है। यदि ट्रम्प प्रशासन आगे आने वाले समय में चीन से आयातित उत्पादों पर इतना भारी भरकम आयात शुल्क लागू करता है तो इससे भारतीय उत्पादों के लिए अमेरिका में जगह बन सकती है और विशेष रूप से ऑटो पार्ट्स, सौर ऊर्जा उपकरण एवं रासायनिक उत्पादन जैसे क्षेत्रों में भारतीय विनिर्माण इकाईयां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकती हैं। इसी प्रकार, यदि अमेरिकी प्रशासन द्वारा चीन से आयातित वस्तुओं पर भारी मात्रा में आयात शुल्क लगाया जाता है तो चीन के निर्यात कम होंगे और इससे चीन में आर्थिक वृद्धि दर कम होगी और ऊर्जा उत्पादों (कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, गैस, आदि) की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम होगी, जिससे कच्चे तेल की कीमतें भी कम होंगी, इसका सीधा सीधा लाभ भारत को हो सकता है, क्योंकि भारत विश्व में कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक देश है। साथ ही, श्री ट्रम्प ने अमेरिका में भी कच्चे तेल के उत्पादन को आगे आने वाले समय में बढ़ाने की घोषणा की है और तुलनात्मक रूप से कुछ सस्ते दामों पर कच्चे तेल का निर्यात भारत को किया जा सकता है। विनिर्माण एवं सुरक्षा (डिफेन्स) के क्षेत्र में भी भारतीय कम्पनियों को लाभ हो सकता है। ट्रम्प प्रशासन ने ट्रम्प के प्रथम कार्यकाल में भारत के साथ कई बड़े रक्षा सौदे सम्पन्न किए थे। अमेरिकी सैन्य क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने के लिए, अमेरिका भारत से सुरक्षा क्षेत्र के उत्पादों का आयात आगे आने वाले समय में बढ़ा सकता है। यदि ट्रम्प प्रसाशन आयात करों में अतुलनीय वृद्धि करता है तो इससे अमेरिका में मुद्रा स्फीति की समस्या एक बार पुनः खड़ी हो सकती है जिससे सम्भव है कि बढ़ी हुई मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए फेडरल रिजर्व एक बार पुनः फेड रेट (ब्याज दरों) में वृद्धि करे। जिसका असर विश्व की अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ेगा। अमेरिका का वित्तीय बजट घाटा भारी मात्रा में ऋणात्मक है एवं अमेरिका के ऊपर 36 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण देयताएं हैं। अतः अमेरिकी प्रशासन का सोचना है कि प्रतिवर्ष 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खर्च को कम करने हेतु प्रयास करने होंगे। यदि यह वास्तव में होता है तो अमेरिका में सरकारी कर्मचारियों की बड़ी संख्या में कमी की जा सकती है। अमेरिकी सरकार के खर्चे यदि कम होते हैं तो इससे देश के आर्थिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। टैक्स कटौती एवं राजकोषीय उपायों के चलते अमेरिकी डॉलर मजबूत हो सकता है एवं इससे अमेरिकी बांड यील्ड बढ़ सकती हैं। भारत पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा। रुपया अमेरिकी डॉलर की तुलना में कमजोर होगा और भारत में आयात किए जाने वाले उत्पादों विशेष रूप से कच्चे तेल की लागत बढ़ जाएगी और इससे अंततः भारत में भी महंगाई बढ़ सकती है। ट्रम्प प्रशासन ने अपने पहिले कार्यकाल में भी भारत के खिलाफ कुछ आर्थिक कदम उठाए थे जैसे भारत को जनरलाइज्ड सिस्टम आफ प्रेफ्रेन्सेज (जीएसपी) से हटा दिया था। लेकिन अंततोगत्वा भारत पर इसका कोई विपरीत प्रभाव नहीं हुआ था। वर्ष 2018 में अमेरिका ने स्टील पर 25 प्रतिशत, अल्यूमिनियम पर 10 प्रतिशत, वशिंग मशीन पर 35 प्रतिशत का उत्पाद शुल्क लगाया था परंतु वर्ष 2019 से वर्ष 2021 के बीच अमेरिका को भारत का स्टील निर्यात 44 प्रतिशत बढ़ गया था। इसी प्रकार, फूटवीयर, मिनरल्स, रसायन, इलेक्ट्रिकल व मशीनरी जैसे उत्पादों का निर्यात भी भारत से अमेरिका को बढ़ा है, इससे सिद्ध होता है कि भारत कई उत्पादों के मामले में चीन के मुकाबले वैश्विक सप्लाई चैन में होने वाले बदलाव का अधिक लाभ उठाने की स्थिति में हैं।

दृष्टि कोण

दिल्ली-एनसीआर के लोग आखिर कहां जाएं

देश की राजधानी दिल्ली का प्रदूषण इतना खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी दिल्ली आने से घबराते हैं। गडकरी ने कहा कि स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडने से वह दिल्ली आने से कतराते हैं। गडकरी मंत्री हैं। उनके पास साधन और सुविधाएं हैं। वह कहीं भी आसानी से आवागमन कर सकते हैं। सवाल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र (एनसीआर) के करोड़ों लोगों के जीवन का है। इतने लोग अपना कामकाज, घर-बार छोड़ कर कहां जाएं। प्रदूषण के धीमे जहर को पीना उनकी मजबूरी बन गई है। ज्यादातर सांसदों, मंत्रियों पर अकूत दौलत है। उनके लिए प्रदूषण से बचने के लिए कहीं भी देश में सरकारी खर्च पर आना-जाना आसान है। वैसे भी नेताओं को संसद और विधानसभा को सुचारू चलाने की ज्यादा चिंता नहीं है। दिल्ली और एनसीआर के लोगों को सरकारी मशीनरी और नेताओं के नकारापन का अभिशाप झेलने को मजबूर होना पड़ रहा है। देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली हर तरह के जानलेवा प्रदूषण की शिकार है। वाहनों और फैक्टरी के धुएं से होने वाला प्रदूषण, यमुना का प्रदूषण और घरों-प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे का प्रदूषण। तीनों तरह के प्रदूषण का बोझ उठाने के लिए दिल्ली अभिशप्त हो चुकी है। दिल्ली में केंद्र में भाजपा गठबंधन की और राज्य में आप की सरकार मौजूद हैं। इससे पहले दिल्ली में लंबी अवधि तक कांग्रेस का शासन रहा है। प्रदूषण से निपटने में सभी राजनीतिक दल नाकाम रहे हैं। दिल्ली में कचरे का पहाड़ आज भी नेताओं के दावों-वादों को मुंह चिढ़ा रहा है। हिंदू-मुस्लिम विवाद और भ्रष्टाचार की तरह प्रदूषण नेताओं के लिए कभी चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया। जब कभी प्रदूषण का मुद्दा उठता भी है, तो केंद्र और दिल्ली की सरकार गेंद एक-दूसरे के पाले में डाल कर अपनी जिम्मेदारी से बरी हो जाती हैं। यही वजह है कि दिल्ली और एनसीआर की आबोहवा इतनी बिगड़ चुकी है कि सांस लेना भी दूभर हो रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली में रहने वाले कम से कम 10 सिगरेट जितना प्रदूषण हर दिन लेने को विवश हैं। सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण जैसी संवैधानिक स्वतंत्र संस्थाएं भी तमाम प्रयासों के बावजूद दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण से निपटने में प्रभावी भूमिका अदा नहीं कर सकीं। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपने बयान में स्वीकार किया था कि दिल्ली में 50 प्रतिशत प्रदूषण वाहनों से निकलता है। गडकरी देश के परिवहन मंत्री हैं। ऐसे में सवाल यही उठता है कि आखिर प्रदूषण की विकराल समस्या से निपटने की जिम्मेदार किसकी है। जब देश का परिवहन मंत्री ही समस्या के समाधान से मुंह चुराने लगे तो अवाम किससे उम्मीद करे। स्विस संगठन की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 में दिल्ली को सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला राजधानी शहर बताया गया है। रिपोर्ट 2023 के अनुसार, 2023 में 134 देशों में से बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत की वायु गुणवत्ता तीसरी सबसे खराब की भविष्यवाणी की गई। राष्ट्रीय राजधानी को वर्ष 2018 से लगातार चार बार विश्व का सबसे प्रदूषित राजधानी शहर बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि अनुमान है कि भारत में 1.36 अरब लोग पीएम 2.5 की सांद्रता का अनुभव करते हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित वार्षिक दिशानिर्देश स्तर 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक है। दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण से खराब हालात में सुधार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रयास भी सरकारों के नकारापन के कारण बौने साबित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट दर्जनों बार फटकार लगा चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सुनवाई के दौरान कहा कि कोर्ट कमिश्नरों की रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। अदालत ने कहा कि सरकारी एजेंसियों और दिल्ली पुलिस के बीच समन्वय की कमी है। साथ ही अदालत ने कहा कि दिल्ली में फिलहाल ग्रैप-4 जारी रहेगा। दिल्ली सरकार, एमसीडी, डीपीसीसी, सीएक्यूएम और अन्य अधिकारियों के बीच समन्वय की पूरी तरह से कमी है। समन्वय सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग पर है। इसलिए ग्रैप-4 को लागू करने के लिए समन्वय हो। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा की राज्य सरकारों को फटकार लगाई क्योंकि राज्य प्रदूषण विरोधी उपायों को लागू करने में विफल रहे। यह ऐसे समय में हुआ है जब दिल्ली एनसीआर की वायु गुणवत्ता बहुत खराब बनी हुई है, जिससे सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

कुछ अलग

गारंटियों का गोबर

गजब हो गया है जी। सरकार परेशान है। अधिकारी परेशान हैं। पब्लिक भी परेशान है। किसी को समझ नहीं आ रहा कि क्या किया जाए। बहुत बड़ा अजूबा हो गया है। जो सोचा नहीं था, वह हो गया है। अजूबा यह है कि चुनाव के दौरान जो ढेर सारी गारंटियां पब्लिक को दी गई थीं, उन्होंने गोबर करना शुरू कर दिया है। चारों तरफ गोबर के ढेर लग गए हैं। एक गारंटी क्योंकि गोबर खरीदने की भी थी, इसलिए खरीद एजेंसियां परेशान हैं कि इतना सारा गोबर खरीद कर कहां डाला जाएगा और यह धड़ाधड़ गोबर कहां से आ रहा है। क्योंकि गोबर करने वाले पशु इतना सारा गोबर नहीं कर सकते, क्योंकि इतनी संख्या में इस सूबे में लोगों के पास पशुधन ही नहीं है। फिर गोबर की इतनी सारी प्रोडक्शन कहां से हो रही है? पहले विपक्ष पर सवाल उठे। विपक्ष के नेताओं के पिछवाड़े की छानबीन की गई। उनके घर की तलाशी ली गई। लेकिन वहां गोबर की प्रोडक्शन करने वाला कोई संयंत्र नहीं मिला। फिर अपने ही दल में असंतुष्ट बैठे कुछ नेताओं के खिलाफ खुफिया एजेंसी लगाकर छानबीन करवाई गई। एजेंसियों ने सरकार को रिपोर्ट दी कि असंतुष्ट नेता सरकार की छवि को गुड़-गोबर तो कर रहे हैं, लेकिन गोबर नहीं कर रहे। फिर सरकार ने हाई लेवल की एजेंसियों को जांच का जिम्मा सौंपा। एजेंसियों ने जब हाई लेवल की तहकीकात की तो पता चला कि फाइलों में दबी गारंटियों ने अब फाइलों से बाहर निकलकर गोबर करना शुरू कर दिया है। जब सरकार ने इन गारंटियों की सुध नहीं ली तो गारंटियों ने अपना अस्तित्व दिखाना शुरू कर दिया और अपनी नाराजगी जाहिर कर दी। इतिहास गवाह है कि जब किसी को बहुत दबाया जाता है तो विस्फोट होता है और बगावत होती है। इन गारंटियों ने भी अपनी उपेक्षा से नाराज होकर विस्फोट कर दिया है और सरकार को चेताने के लिए गोबर करना शुरू कर दिया है। अब इन गारंटियों से पीछा कैसे छुड़ाया जाए, यह सवाल सरकार के गले की फांस बन गया है। अधिकारियों के लिए यह जी का जंजाल बन गया है। अब सरकार के भीतर ही एक गुट उठ खड़ा हुआ है। उनका कहना है कि गारंटियों को ढंग से संभाला नहीं गया। उन्हें समय रहते प्यार-दुलार नहीं दिया गया, इसलिए वे बगावत पर उतर आईं। कुछ नए-नवेले सलाहकारों ने सुझाव दिया कि गोबर को खाद में बदला जा सकता है। इससे जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। मगर जैविक खेती के एक्सपर्ट्स ने तुरंत सफाई दी कि यह गोबर जैविक नहीं है, बल्कि इसे चुनावी रसायनों से तैयार किया गया है। इसमें सच्चाई की मात्रा बेहद कम और वादों के रासायनिक अवशेष अधिक हैं। अब सरकार के थिंक टैंक ने फैसला किया है कि गारंटियों के इस गोबर का एक संग्रहालय बनाया जाएगा। इसमें अलग-अलग गारंटियों के गोबर के नमूने रखे जाएंगे। साथ में उन वादों की फाइलें भी होंगी, जो कभी चुनाव प्रचार के दौरान दीवारों पर चिपकाई गई थीं। यह जनता को याद दिलाने के लिए होगा कि गारंटी भी गोबर कर सकती है। पब्लिक के बीच भी चर्चा गर्म है। कुछ लोग तो यहां तक कहने लगे हैं कि अगर यही हाल रहा तो अगले चुनाव में 'गोबर गारंटी कार्ड' जारी करना पड़ेगा, जिसमें लिखा होगा कि वादे पूरे न हुए तो गोबर की मुफ्त सप्लाई सुनिश्चित की जाएगी। अब सवाल यह है कि इस गोबर संकट का अंत कब होगा। विपक्ष तंज कस रहा है कि सरकार ने 'गारंटी विद फर्टिलिटी' जैसा नारा दिया था, लेकिन यह पता नहीं था कि फर्टिलिटी से उनका इशारा गोबर उत्पादन से था। सरकार इस पर सफाई देने की कोशिश कर रही है।

देश दुनीया से

गुणवत्ता की चुनौती, सुधार के लिए सटीक उपाय

हिमाचल प्रदेश शिक्षा गुणवत्ता में कुछ वर्ष पूर्व पूरे देश में केरल से मुकाबला करते हुए दूसरे स्थान पर था, जो बाद में 13वें, फिर 17वें और अब 21वें स्थान पर पहुंच गया है। गिरती रैंकिंग के लिए स्कूल जगह-जगह खोलना, रट्टा लगाने तथा डाईस पर गलत डाटा भरने को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। परफार्मिंग ग्रेडिंग इंडेक्स 2021-22 की रिपोर्ट के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए प्रयासरत हैं। मान लिया जाता है कि इस बार शिक्षा विभाग अपनी परफॉर्मेंस सुधार लेता है तो क्या बच्चों को दी जा रही वर्तमान शिक्षा की वास्तविक गुणवत्ता भी सुधर जाएगी? ऐसा नहीं है। गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रशासनिक स्तर पर बहुत सुधार करने की आवश्यकता है, जिसके लिए कड़े निर्णय लेने के लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति की आवश्यकता है। यह इच्छा शक्ति वर्तमान मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री में है और इसकी झलक नजर भी आ रही है। प्रदेश बनने के बाद सरकारों ने शिक्षा को लोगों के घर-द्वार पहंचाने पर विशेष बल दिया। सरकार के पास वित्तीय संसाधनों की कमी होते हुए भी शिक्षा को मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनों तरह से बढ़ावा देने के लिए हर साल शिक्षा पर बजट आबंटन में वृद्धि की गई। आधुनिक सुविधाओं को प्रदान करने के बावजूद हिमाचल में शिक्षा की गुणवत्ता क्यों गिर रही है, इस विषय पर चिंतन की आवश्यकता है। इसके लिए हमें उस समय का भी अध्ययन करना होगा जब वर्तमान के समकक्ष सुविधाएं नहीं थी, पर शिक्षा की गुणवत्ता अच्छी थी। जूट की टाटों पर बैठना होता था। स्कूल कम थे, परंतु अध्यापकों की कमी नहीं थी। अध्यापक स्टेशन छोड़ कर नहीं जाते थे। परीक्षाओं को बहुत गंभीरता से लेते थे। इसके लिए अतिरिक्त कक्षाएं लगाते थे। विषय की बुनियादी अवधारणाओं पर अधिक ध्यान दिया जाता था। अध्यापक अपने कार्य के प्रति निष्ठावान थे। स्कूली कार्यों में राजनेताओं का हस्तक्षेप बहुत ही कम था। आज शिक्षा विभाग में कार्य नैतिकता एवं संस्कृति का ह्रास हो रहा है। गुरु-शिष्य का रिश्ता तार-तार हो रहा है। इस संदर्भ में स्कूली छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की वारदातें दिन-प्रतिदिन बढ़ रही हैं। कुछ शिक्षक स्कूलों में नशे की हालत में पहुंच रहे हैं। परंतु ऐसा भी नहीं है कि सभी शिक्षक ऐसी वारदातें कर रहे हैं। कुछ शिक्षक बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं। उनका अनुसरण करना चाहिए। इससे कार्य संस्कृति बढ़ेगी। हिमाचल स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट के बहुत से कारण हैं जिनमें पहली से आठवीं कक्षा तक प्रदर्शन खराब होने पर भी छात्रों को फेल न करना, शिक्षकों की उपस्थिति के लिए लगी बायोमीट्रिक मशीनों का खराब रहना, सभी स्कूलों मे बायोमीट्रिक मशीनों का न लगाया जाना तथा वेतन के साथ लिंक न करना, शिक्षकों पर निगरानी का अभाव, स्कूल हैड का समय पास करने का रवैया क्योंकि वो रिटायरमैंट पर ही स्कूल हैड बनते हैं तथा प्रशासनिक तजुर्बा एवं नेतृत्व की कमी होती है, स्टाफ से काम लेने में निपुणता का अभाव रहता है, शिक्षक और स्कूलों के हैड लंबा सफर तय कर स्कूल पहुंचते हैं, उनकी ऊर्जा घर से आने-जाने में खर्च हो जाती है, अध्यापकों का स्टेशन छोडक़र रोज अपने मूल निवास से आना-जाना तथा अपने बच्चों को अपने स्कूलों में न पढ़ाना, अध्यापकों की पिछले दरवाजे से नियुक्तियां, जैसे पीटीए, विद्या उपासक, कंपनियों के माध्यम से तथा बैचवाइज नियुक्तियां आदि, अध्यापकों की आंतरिक प्रोमोशन में खामियां, प्रवक्ता/पीजीटी पदों पर टीजीटी में टीचिंग विषय के बाहर लिए गए विषयों पर प्रमोशन देना एवं प्रमोशन के समय शिक्षक की सामथ्र्य की परख न होना कि वह उच्च क्लास को पढ़ाने के लिए सक्षम है या नहीं, स्कूलों में शिक्षकों से दफ्तरी कार्य करवाना तथा चुनाव, जनगणना और मतदाता सूचियों के संशोधन कार्य आदि करवाया जाना, गैर-शिक्षण कर्मचारियों का असहयोग का रवैया, वेतन वृद्धि का परिणाम के साथ लिंक न होना, औचक निरीक्षणों की कमी, पूरे वर्ष स्थानांतरणों का दौर, कुछ स्कूलों में जरूरी विषयों के शिक्षकों की पोस्टें बहुत समय तक रिक्त रहना, शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण को गंभीरता से न लेना तथा प्रशिक्षण लेने के बाद उसका प्रयोग न करना, बच्चों की पुस्तकालयों तथा आईसीटी लैब तक पहुंच न होना आदि शिक्षा की गुणवत्ता को गिराने के कारक हैं। शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर गिराने के लिए सरकार तो जिम्मेदार है ही, साथ में शिक्षक भी हैं। क्योंकि सारा साल शिक्षकों के नेता अपने चहेतों/संगठनों के सदस्यों के स्थानांतरण/समानियोजन करवाने के लिए सचिवालय तथा शिक्षा निदेशालय में ही चले रहते हैं। ट्रांसफर एक्ट या नीति का अभाव, राजनीतिक हस्तक्षेप तथा शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों का सारा साल स्थानांतरणों में व्यस्त रहना, बच्चों के अभिभावकों का बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक नहीं होना आदि शिक्षा गुणवत्ता को प्रभावित कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार को शिक्षा की गुणवत्ता के स्तर को बढ़ाने के लिए मौजूदा व्यवस्था में प्रशासनिक सुधारों को राजनीतिक इच्छाशक्ति से अमल में लाकर गुणवत्ता प्राप्त की जा सकती है। मौजूदा व्यवस्था में कुछ सुधार आवश्यक हैं। वो हैं- पांचवीं, आठवीं, दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा होनी चाहिए। वर्ष 1977 की तरह नवमी और दसवीं की बोर्ड परीक्षा हो। पहली से आठवीं तक फेल न करने की नीति को बंद करना चाहिए, शिक्षकों की स्कूल में उपस्थिति के लिए बायोमीट्रिक मशीनों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई में ध्यान देने पर निगरानी की आवश्यकता है। स्कूल हैड की तरक्की के समय राज्य लोक सेवा आयोग के द्वारा उनका साक्षात्कार होना चाहिए।

प्रदेश बनने के बाद सरकारों ने शिक्षा को लोगों के घर-द्वार पहंचाने पर विशेष बल दिया। सरकार के पास वित्तीय संसाधनों की कमी होते हुए भी शिक्षा को मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनों तरह से बढ़ावा देने के लिए हर साल शिक्षा पर बजट आबंटन में वृद्धि की गई। आधुनिक सुविधाओं को प्रदान करने के बावजूद हिमाचल में शिक्षा की गुणवत्ता क्यों गिर रही है, इस विषय पर चिंतन की आवश्यकता है।

आप का नजरीया

हिमाचल में खेल का वसंत

पहली बार हिमाचल खेल समुदाय का आसमान फूल बरसा रहा है और बतौर करियर इसे इतना सम्मान मिल रहा है कि आइंदा प्रेरित होकर अभिभावक अपने बच्चों को मैदान पर देखना चाहेंगे। अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता 21 खिलाडियों को 14.77 करोड़ बांटकर सुक्खू सरकार ने एक साथ कई ताज सौंप दिए हैं। खेल नीति के खिलते अंदाज में हिमाचल ने खिलाडियों को सिर पर बैठाया और इससे खेल संस्कृति का क्षितिज नजर आया। पैरा ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय तमगों की बसंत लाने के लिए निषाद कुमार को सबसे अधिक 7.8 करोड़ की राशि प्रदान की गई है। इसी तरह मंडी के अजय कुमार को पैरा एशियन रजत पदक लाने में 2.5 करोड़ का सम्मान मिला है। एशियन, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक तक पहुंचे खिलाड़ी सरकार के कोष से अपने योगदान के लिए सम्मानित हुए। जाहिर है पुरस्कारों की बढ़ी हुई राशि का चमत्कार आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का यह ऐलान भी काफी अहमियत रखता है कि हर विधानसभा क्षेत्र में 50 करोड़ की लागत से खेल परिसर बनेंगे। यह एक महत्त्वाकांक्षी योजना है, जो खेलों और खिलाडियों के लिए भविष्य के प्रवेश द्वार बना सकती है। कहना न होगा कि प्रेम कुमार धूमल के समय से राज्य ने खेलों के प्रति गंभीरता से सोचना शुरू किया और इसके नतीजे से बिलासपुर, हमीरपुर व धर्मशाला में अधोसंरचना का राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय फलक खुला। आज सिंथेटिक ट्रैक व अन्य सुविधाओं की वजह से निजी तौर पर धर्मशाला में रह कर करीब पांच सौ राष्ट्रीय एथलीट अभ्यास कर रहे हैं। राज्य में कुछ खेल संगठनों ने भी पांव पसारे हैं, लेकिन क्रिकेट एसोसिएशन को छोडक़र कोई अन्य फिलहाल अधोसंरचना के मामले में उल्लेखनीय तरक्की नहीं कर पाया। फुटबाल व हॉकी आदि खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैदान व इंडोर स्टेडियम बनाकर कम से कम उपमंडल स्तर तक खेल ढांचा मजबूत करना होगा। आज की तारीख में हर गांव में एक-एक मैदान की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी, जबकि शहरों में कम से कम चार-चार सामुदायिक मैदान इसलिए स्थापित करने चाहिएं ताकि खेल ढांचा बर्बाद न हो। उदाहरण के लिए सुजानपुर, धर्मशाला, ऊना, नाहन, मंडी व हमीरपुर के मैदान तथा चंबा के चौगान खेलों से इतर सार्वजनिक समारोहों की रौनक में अपना उद्देश्य भूल गए। पारंपरिक मैदानों को बचाते हुए शहरी परिवेश के सामुदायिक मैदान अलग से ट्रेड फेयर, सांस्कृतिक गतिविधियों, समारोह व सम्मेलनों के अलावा जनता व सैलानियों के मनोरंजन के लिए उपलब्ध हों, तो खेलों का वातावरण सुधरेगा। भारतीय खेल प्राधिकरण के बिलासपुर, धर्मशाला परिसरों के अलावा 'खेलो इंडिया खेलो' के हमीरपुर केंद्र में खिलाड़ी बच्चों की औपचारिक पढ़ाई के विंग इन शहरों के स्कूल व कालेजों में स्थायी रूप से खोल देने चाहिएं। हिमाचल को दो-तीन कालेज परिसर पूर्ण रूप से स्पोट्र्स कालेज के रूप में समर्पित कर देने चाहिएं। देखा गया है कि हिमाचल में बाहरी राज्यों के विश्वविद्यालय, सैन्य प्रतिष्ठान तथा कुछ निजी अकादमियां अपने समर कैंप लगाते हैं, लेकिन न शिमला, न मंडी और न ही धर्मशाला का केंद्रीय विश्वविद्यालय इस दिशा में कुछ कर पाया है। हिमाचल में स्कूल व कालेज की खेलों में विशेष प्रयास की जरूरत है।

सहकारिता की सीमा भारत नहीं पूरा विश्व होना चाहिए : दत्तात्रेय होसबाले

सरकार्यवाह ने सहकार भारती के आठवें राष्ट्रीय अधिवेशन के प्रथम उद्घाटन सत्र को किया संबोधित

अमृतसर (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत में आजादी के समय से ही सहकारिता आंदोलन की भूमिका अहम रही है। वर्तमान में हम सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए कि सहकारिता की सीमा भारत ही नहीं बल्कि पूरा विश्व होना चाहिए। साथ ही उन्होंनेधरती के बिगड़ रहे संतुलन को बचाने के लिए एकजुटता से प्रयास करने की जरूरत पर भी जोर दिया। दत्तात्रेय होसबाले शनिवार को अमृतसर में सहकार भारती के आठवें राष्ट्रीय अधिवेशन के प्रथम उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हम आर्थिक विकास तो कर रहे हैं लेकिन सामाजिक विकास की तरफ किसी का ध्यान नहीं है। सामाजिक विकास के लिए आज पूरे देश में परिवर्तन की लहर चलाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में स्वतंत्रता, समानता, संयमता और न्याय की बात कही गई है। यह कहीं न कहीं पिछड़ रहा है। धर्म के विषय पर होसबाले ने कहा कि धर्म

केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। धर्म जीवन को स्थिरता देता है। जीवन के लिए, विकास के लिए धर्म का पालन जरूरी है। धर्म की गलत समझ के कारण भौतिक जीवन की अवहेलना कर रहे हैं। उन्होंने भारत में सहकारिता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि देश की आजादी से पहले ही सहकारिता आंदोलन की शुरुआत हो चुकी थी। सही मायने में सहकारिता का अर्थ बेहतर कुटुंब, जनमानस और राष्ट्र का निर्माण करना है। जिसमें एक-दूसरे के प्रति संवेदनाएं हों। आज एक-दूसरे के प्रति सामाजिक संवेदनाएं समाप्त होती जा रही हैं। इस तरफ ध्यान दिए जाने की जरूरत है। गुरु नानक देव के संदेश नाम जपो, कीतर करो, वंड छको के सिद्धांत का वर्णन करते हुए होसबाले ने कहा कि प्रभु का सुमिरन करते हुए परिश्रम से कमाई करें और बांटकर खाएं। इस एकमात्र सिद्धांत के आधार पर जीवन को सरल बनाया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को अच्छे संस्कार दिए जाने का संदेश देते हुए कहा कि संस्कारित कुटुंब ही अच्छे समाज का निर्माण कर सकता है। वर्तमान परिवेश में समस्याओं के समाधान करने वाले समाज के निर्माण की जरूरत है। जहां एक-दूसरे के हितों का ख्याल रखा जाए। किसान का उदाहरण देते हुए दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि किसान जब खेत में अनाज पैदा करता है तो उसे उपकरण के लिए लोहार की, बीज विक्रेता की, जल प्रबंधन की, मंडी में व्यापारी समेत कई वर्गों की जरूरत होती है। एक फसल का उत्पादन किसी एक व्यक्ति के बस की बात नहीं, यह परस्पर सहयोग का कार्य है। यह सहकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण है। होसबाले ने सहकार भारती द्वारा राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए पंजाब का चयन करने पर आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि पंजाब की धरती गुरुओं और पीरों की धरती है। आजादी की लड़ाई से लेकर आज तक पंजाब व पंजाबियों का इतिहास कुर्बानी वाला रहा है। यहां से निकला संदेश देशसभर में जाएगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने अमृतसर के ऐतिहासिक मंच से सामाजिक मुद्दा उठाते हुए कहा कि आज जलवायु परिवर्तन से पृथ्वी पर कई तरह के संकट मंडरा रहे हैं। भूमिगत जलस्तर नीचे जा रहा है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण धरती का संतुलन बिगड़ रहा है। इसे बचाने के लिए एकजुटता से प्रयास करने की जरूरत है।

जैन ट्रेवल्स मालिक को धमकाने का मामला

लारेंस के साबरमती जेल से वीसी के माध्यम से बयान

जोधपुर (हिंस)। जोधपुर के जैन ट्रेवल्स के मालिक मनीष जैन को रंगदारी के लिए धमकाने के प्रकरण को लेकर शनिवार को हार्डकोर अपराधी लारेंस विश्नोई के बयान साबरमती जेल से वीसी के माध्यम से दर्ज हुए। बयान में लारेंस ने खुद पर लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए खारिज किया। मामला 17 मार्च 2017 का है। रंगदारी के लिए धमकाने के आरोपी हार्डकोर अपराधी लारेंस विश्नोई इन दिनों गुजरात की साबरमती जेल में है। उसके शनिवार को साबरमती जेल से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बयान दर्ज कराए। अपने अधिवक्ता के साथ लारेंस वीसी के माध्यम से मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट संख्या 7 में हर्षित हाडा की अदालत में पेश हुए। लारेंस ने कोर्ट द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया और जैन ट्रेवल्स के मालिक को धमकाने के आरोपों को सिरे से खारिज किया। लारेंस ने कहा कि उसे पुलिस द्वारा झूठा फंसाया गया है। वक्त घटना वह जेल में था और घटना के बाद भी जेल में ही था। वह पिछले 11 साल से जेल में है। मोबाइल पर उसके द्वारा धमकाया जाना संभव नहीं था। पुलिस द्वारा उसे झूठा फंसाए जाने के साथ उसके भाई को झूठा फंसाया गया है। बता दें कि जोधपुर में जैन ट्रेवल्स के मालिक मनीष जैन को रंगदारी के लिए धमकाया गया था। वर्ष 2017 को 17 मार्च को उनके कार्यालय में दो व्यक्ति घुस आए थे और लारेंस के नाम पर रंगदारी के लिए धमकाया गया था। कार्यालय में फायरिंग का प्रयास किया गया था। मगर रिवाल्वर नहीं चली थी, गोली रिवाल्वर में ही फंस गई थी। गोली नहीं चलने से फायरिंग नहीं हुई थी।

मिट्टी के कारीगरों को सरकार की योजनाओं से जोड़ा जाएगा : ईश्वर सिंह मालवाल

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा माटी कला बोर्ड के चैयरमेन ईश्वर सिंह मालवाल ने कहा कि मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगरों को सरकार द्वारा उनके हितों के लिए चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से जोडने के लिए उन्होंने हरियाणा के सभी 22 जिलों का सर्वे करवाया है। जल्द ही इस दिशा में काम करते हुए पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ा जाएगा। यह बात उन्होंने शनिवार को यहां पत्रकार वार्ता में कही। वे रविवार को गुरुग्राम में प्रजापति समाज द्वारा पीडब्ल्यूडी, बीएंडआर एवं जन स्वास्थ्य विभाग मंत्री रणबीर सिंह गंगवा के सम्मान समारोह को लेकर पत्रकारों से बात कर रहे थे। ईश्वर सिंह मालवाल ने कहा कि 8 दिसंबर को गुरुग्राम में प्रजापति समाज द्वारा मंत्री रणबीर सिंह गंगवा का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम रविवार को सुबह 10 बजे रेलवे रोड पर सेक्टर-5 में स्थित चिन्तपूर्णी मन्दिर के नजदीक नेकीराम फॉर्म में आयोजित किया जाएगा।

शराब ठेका खोलने पर महिलाओं ने विरोध किया, महिलाओं ने डीसी से की शिकायत

पलवल (हिंस)। पलवल में शराब ठेके खोने पर गांव की महिलाओं ने जमकर विरोध किया। महिलाओं ने कहा कि अगर यहां ठेका खोला गया, तो यहां का माहौल खराब हो जाएगा। क्योंकि दिन-रात शराबियों और शरारती तत्वों का यहां जमावड़ा रहेगा। महिलाओं ने शनिवार को गांव में शराब का ठेका न खोलने को लेकर डीसी से की शिकायत की है। लोहगढ़ गांव में शराब ठेका खोला जा रहा है। जिसकी सूचना मिले की महिलाओं मौके पर पहुंची और विरोध किया। महिलाएं उस दुकान के आगे धरने पर बैठ गई। महिलाओं ने कहा कि यहां किसी भी कीमत पर शराब का ठेका नहीं खुलने देंगी। महिला ने कहा कि शराब का ठेका गांव की परिधि से बाहर खुलना चाहिए ना कि गांव के अंदर। जिसकी लिखित शिकायत गांव की महिलाओं ने डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ को दी है। डीसी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को मामले की पूरी जानकारी देने के निर्देश दिए है। गौरतलब है कि पहले भी जिले में शराब के ठेके के विरोध में महिलाएं लामबंद हो चुकी हैं। ग्रामीण महिला सीमा व ज्योति ने कहा कि यहां शराब का ठेका खुलता है। तो यहां का माहौल बिगड़ जाएगा। उनकी छोटी-छोटी बच्चियों और बच्चे सुरक्षित नहीं रहेंगे। यहां पर शराबी आए दिन हंगामा करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर शराब का ठेका यहां खुलता है तो उन्हें मजबूरन आंदोलन करना होगा।

अच्छे संस्कार के बिना सहकार संभव नहीं : गुलाब चंद कटारिया

अमृतसर (हिंस)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब में सहकारिता की लहर को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि अच्छे संस्कारों के बगैर मजबूत सहकार संभव नहीं है। राज्यपाल शनिवार को अमृतसर में सहकार भारती के आठवें राष्ट्रीय अधिवेशन के प्रथम उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समाज को सहकारिता से जोड़ना जरूरी है। जीवन को सहकारिता के सिद्धांत पर व्यतीत करने पर बल देते हुए कटारिया ने कहा कि हमारा देश सही मायने में आत्मनिर्भर तभी बन सकेगा जब सहकारिता को अपनी दिनचर्या में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह महामहिम बाद में हैं लेकिन कार्यकर्ता पहले हैं। गुजरात में सहकारिता आंदोलन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात में तरक्की का आधार सहकारिता है। हमें इसका अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब में सहकारिता की अपार संभावनाएं हैं। यहां सहकारिता के क्षेत्र में कार्य करने की बहुत जरूरत है।

पीटीआई भर्ती परीक्षा में गलत तरीके से नौकरी पाने वालों की नौकरी जाएगी : शिक्षा मंत्री

जयपुर (हिंस)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि पीटीआई भर्ती के तहत गलत तरीके से नौकरी पाने वालों को नौकरी से निकाला जाएगा। ऐसे 244 कैंडिडेट के नाम सामने आए हैं। इसमें अभ्यर्थियों ने नौकरी जॉइन भी कर ली है। कुछ लोग अभी जॉइन नहीं कर पाए हैं। जिन्होंने अभी जॉइन नहीं किया है, उनको भी बख्शा नहीं जाएगा। उनको भी जेल भेजा जाएगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने यह बात सवाई माधोपुर के मित्रपुरा कस्बे में जनसुनवाई करने के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने पीटीआई भर्ती पर बड़ा बयान दिया है। पीटीआई भर्ती में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी)

की जांच के बाद पांच दिसंबर को कर्मचारी चयन आयोग ने एक आदेश जारी किया था। जांच में 302 ऐसे कैंडिडेट मिले हैं, जिन्होंने गलत तरीके से भर्ती परीक्षा पास की है। कार्रवाई के लिए इनमें से 244 की लिस्ट शिक्षा विभाग को भेजी गई है। वहीं, 58 लोगों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में ही अपात्र घोषित कर दिया गया है। 244 में से कई अभ्यर्थी ऐसे हैं, जो पीटीआई पद पर जॉइन भी कर चुके हैं। भर्ती परीक्षाओं में फर्जी डिग्री और सर्टिफिकेट मामले को लेकर एसओजी ने पीटीआई भर्ती परीक्षा के काफी अभ्यर्थियों को संदिग्ध माना था। जांच में धीरे-धीरे फजीवाड़े का खुलासा भी हो रहा है। फजीवाड़े में शामिल 244 अभ्यर्थियों की सूची अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। कर्मचारी चयन बोर्ड ने 16 जून 2022 को पीटीआई की ग्रेड थर्ड पोस्ट के लिए 5546 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया था। एग्जाम के लिए 53 हजार 234 कैंडिडेट ने रजिस्ट्रेशन किया था। जयपुर के 143 सेंटर्स पर 25 सितंबर 2022 को परीक्षा हुई। अक्टूबर 2022 में बोर्ड ने इसका रिजल्ट जारी किया। इसके बाद बोर्ड ने आंसर की जारी कर आपत्ति मांगी थी। महज सात दिन बाद ही बोर्ड ने शॉर्टलिस्ट कैंडिडेट की लिस्ट जारी कर दी थी। आंसर-की जारी होने के बाद मामला कोर्ट पहुंचा। याचिकाकर्ता का कहना था कि आधा दर्जन प्रश्नों को गलत माना गया, जबकि वो सही थे। दावा किया गया कि बोर्ड की बुक्स के अनुसार वो आंसर सही थे।

फर्जीवाडे से एमबीबीएस में प्रवेश लेने वाले 9 अभ्यर्थियों की याचिका खारिज

जयपुर (हिंस)। राजस्थान हाइकोर्ट ने 15 साल पहले आरपीएमटी-2009 के जरिए एमबीबीएस में फर्जी तरीके से प्रवेश लेने के मामले में 9 अभ्यर्थियों को राहत देने से इनकार करते हुए उनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश रविकांत निर्वाण व अन्य की याचिकाओं पर दिए। अदालत ने माना की मामले में की गई सीबीआई जांच और एफएसएल में सामने आया है कि याचिकाकर्ताओं ने फर्जीवाडा किया है। वहीं आयूएचएस ने नियमों का पालन करने हुए ही उनका प्रवेश रद्द किया था। याचिकाओं में कहा गया था कि उन्हें सुनवाई का मौका दिए बिना ही उनका प्रवेश निरस्त किया गया। जिसके जवाब में आरयूएचएस की ओर से कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट ने निधि कायल के मामले में दिए गए निर्णय के अनुसार परीक्षाओं में सामूहिक नकल के मामलों में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की पालना किया जाना जरूरी नहीं है। इसके अलावा याचिकाकर्ताओं को सुनवाई का पूरा मौका मिला था। गौरतलब है कि साल 2009 में आरपीएमटी में याचिकाकर्ताओं सहित 16 अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। उसमें चयन के बाद उन्हें एमबीबीएस में प्रवेश मिल गया। इसके बाद हस्ताक्षर आदि के मिलान नहीं होने पर उनके प्रवेश को गलत माना गया। इस मामले में हाईकोर्ट ने आईपीएस पीके सिंह की कमेटी से जांच कराई और बाद में केन्द्रीय जांच एजेंसी से भी जांच के आदेश दिए गए। एजेंसी ने परीक्षण के बाद इन अभ्यर्थियों के हस्ताक्षर आदि पर सवाल उठाया था।

राजसमंद में ट्रक खाई में गिरा, तीन की मौत

उदयपुर (हिंस)। राजस्थान के राजसमंद जिले के चारभुजा थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात राशन से भरा ट्रक तीस फीट गहरी खाई में गिर गया, जिससे तीन श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा रात करीब 12 बजे भगत तलाई की नाल के पास हुआ। एफसीआई गोदाम से गेहूं के कट्टे लेकर निकला ट्रक चारभुजाजी होते हुए केलवाड़ा की ओर जा रहा था। धोला की ओड़ नामक स्थान पर एक तीखे मोड़ पर ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। ट्रक में राशन के कट्टों के ऊपर तीन श्रमिक बैठे थे, जबकि ड्राइवर समेत तीन लोग केबिन में सवार थे। खाई में गिरने के बाद राशन के भारी कट्टों के नीचे दबने से तीनों श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले तीनों श्रमिक सलूम्बर जिले के निवासी थे। इनमें लालू (40) पुत्र लखमा मीणा, निवासी लालपुरा (लसाड़िया), हीरा (23) पुत्र नारायण मीणा निवासी लालपुरा (लसाड़िया) और प्रकाश (26) पुत्र कालू मीणा निवासी घाटा (लसाड़िया) हैं। इनके शवों को चारभुजा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया गया है। दुर्घटना में घायल तीन व्यक्तियों का इलाज केलवाड़ा के सरकारी अस्पताल में जारी है। घायलों में खेमराज (28) पुत्र देवा मीणा निवासी लालपुरा (लसाड़िया), कालू (60), पुत्र पेमा मीणा निवासी लालपुरा (लसाड़िया) और प्रकाश (32) पुत्र देवीलाल मीणा निवासी भटेवर, कुराबड़ (उदयपुर) शामिल हैं।

भारतीयता और सनातन में है सबको जोड़ने की ताकत : आदित्यनाथ

वाराणसी (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश सुरक्षित है तो धर्म भी सुरक्षित है। धर्म सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित हैं, इसलिए जो भी कार्य हो, वह व्यक्ति, समाज, मत-मजहब के दायरे से ऊपर उठकर सनातन धर्म के मूल्यों के अनुरूप भारत की वैदिक-आध्यात्मिक परंपरा का अनुसरण करते हुए देश के नाम होना चाहिए। भारतीयता और सनातन सबको जोड़ने की ताकत रखता है। मुख्यमंत्री शनिवार को यहां उमरहा चौबेपुर स्थित स्वर्वेद महामंदिर धाम में आयोजित विहंगम योग संत समाज की स्थापना के शताब्दी समारोह महोत्सव में शामिल हुए। 25 हजार कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ में लाखों लोगों की भागीदारी के बावजूद धाम की सुचारू व्यवस्था की मुख्यमंत्री ने जमकर तारीफ की। आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 1888 में बलिया के छोटे से गांव में सद्गुरु सदाफल देव महाराज का अवतरण हुआ। उन्होंने 1924 में विहंगम योग संत समाज की स्थापना की। जब समाज शताब्दी समारोह कार्यक्रम के साथ जुड़ रहा है, तब हम भी इसके साक्षी बन रहे हैं। हम सभी को संत की यौगिक साधना का

प्रसाद प्राप्त हो रहा है। विहंगम योग संत समाज स्वर्वेद महामंदिर ट्रस्ट के माध्यम से दिव्य-भव्य मंदिर बनाकर कोटि-कोटि श्रद्धालुजनों को अपने पुरुषार्थ के माध्यम से जोड़ने के साथ ही भारत की योग परंपरा व आध्यात्मिक धारा को जन-जन तक पहुंचाने को कृतसंकल्पित दिख रहा है। उन्होंने कहा कि सद्गुरु सदाफल देव महाराज ने आध्यात्मिक अभियान को आगे बढ़ाया और यह भी बताया कि सच्चा योगी-संत देश एवं समाज की परिस्थितियों को देखकर हाथ पर हाथ रखकर बैठा नहीं रह सकता। देश जब गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा था, तब सद्गुरु सदाफल देव महाराज ने अपनी आध्यात्मिक साधना के साथ विदेशी दासता से मुक्त कराने के लिए आजादी के आंदोलन में भाग लेकर बैरकपुर से देश के प्रथम स्वातंत्र्य समर के शंखनाद के साथ खुद को जोड़ा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की तुलना में 2014 के बाद से 100 गुना बेहतर काशी की कनेक्टिविटी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र को 10 वर्ष में चमका दिया है। अब काशी विश्वनाथ धाम, दुनिया का सबसे बड़ा स्नान घाट (नमो घाट) है। यहां हैलीपेड भी है। यहां बड़े-बड़े कार्यक्रम हो सकते हैं। काशी के घाट अब नए भव्य स्वरूप में देखने को मिलते हैं। काशी के देव मंदिरों का कायाकल्प हुआ है। अब काशी से हल्दिया के बीच में जलमार्ग का उपयोग कर यात्रा को बढ़ा सकते हैं। यह क्षेत्र भी अब तीर्थ के रूप में विकसित हो गया है। स्वास्थ्य हो या शिक्षा, विकास के विभिन्न पक्षों को लेकर काशी आज चमक रही है और काशी के साथ पूरा उत्तर प्रदेश नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 18 दिसंबर 2023 को इस समारोह का शुभारंभ किया था। शताब्दी महोत्सव के अवसर पर उन्होंने स्वर्वेद महामंदिर का भव्य उद्घाटन भी करते हुए विहंगम योग संत समाज एवं स्वर्वेद महामंदिर ट्रस्ट के कार्यों की सराहना की थी। वर्ष 2021 में भी मोदी के सानिध्य में इस पूरे कार्यक्रम में हमें सहभागी बनने का अवसर प्राप्त हुआ था।

पुष्पा दो में शेखावत के नेगेटिव किरदार से समाज नाराज, निर्माता की ठुकाई करने की धमकी

जयपुर (हिंस)। साउथ मूवी पुष्पा 2 में शेखावत का नेगेटिव किरदार दिखाने पर महाराव शेखा जनकल्याण फाउंडेशन के संजोयक ठाकुर मनोहर सिंह घोड़ीवारा ने फिल्म निर्माता की ठुकाई करने की धमकी दी हैं। ठाकुर मनोहर सिंह ने बताया कि एक बार फिर से फिल्म में शेखावत का नेगेटिव किरदार दिखा कर राजपूत समाज का अपमान किया गया हैं, राजपूत समाज तैयार रहें, जल्द ही फिल्म निर्माता की ठुकाई की जाएगी। फिल्मों में नेगेटिव रोल के लिए राजपूत समाज का उपयोग क्यों किया जा रहा हैं। जो समाज देश के लिए लड़ा, महिला सम्मान के लिए लड़ा उसे पर्दे पर गलत तरीके से दिखा कर समाज की छवि खराब की जा रही हैं। समाज इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। निर्माता कोई भी हो उसे चाहिए कि वह इस तरह से बार-बार एक ही समाज को टारगेट करेंगे तो यह उनके लिए ठीक नहीं हैं। समाज के लोगों को भी सोचना चाहिए कि समाज की छवि बड़े पर्दे पर जैसी दिखाई जाएगी। नई पीढ़ी समाज को लेकर ऐसा ही सोचेंगे जो कि समाज के लिए अच्छा नहीं हैं। समय पर ऐसे निर्माताओं को सबक सिखाना चाहिए जिससे समाज का सही चेहरा सामने आए। लोग जाने कि राजपूत मान-सम्मान, मर्यादा के लिए जाना जाता हैं। मैंने पोस्ट इसलिए एफबी पर डाली कि लोग इसे देख कर समझ सकें कि हमारे समाज को बड़े पर्दे पर सही नहीं दिखाने वालों के हम लोग खिलाफ हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन करेगा हिंदू समाज

गाजियाबाद (हिंस)। बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार से आक्रोशित जिले का हिंदू समाज रविवार(8 दिसंबर) को जन आक्रोश प्रदर्शन कर पूरे देश के हिंदुओं को जगाने व केंद्र सरकार को ठोस कदम उठाने के लिए मजबूर करेगा। समाज सेवी वीके अग्रवाल ने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर भयंकर अत्याचार हो रहा है। उनकी दुकानों, प्रतिष्ठानों व मकानों को लूटा जा रहा है और उनमें आग लगाई जा रही है। हिंदुओं की हत्याएं की जा रही हैं। भाई के सामने बहन, बेटे के सामने मां, पति के सामने पत्नी व पिता के सामने बेटी का बलात्कार किया जा रहा है। उनके खेत-खलिहान दुकान मकान आदि सब पर कब्जा किया जा रहा है। सरकारी नौकरी करने वाले हिंदुओं चाहे वे डॉक्टर हों, नर्स हों, इंजीनियर हों या फिर थानेदार या सिपाही, सभी को इस्तीफा देकर

बांग्लादेश से भागने के लिए मजबूर किया जा रहा है। अग्रवाल ने बताया कि बांग्लादेश ने 2025 तक सभी हिंदुओं को खत्म करने का प्लान बनाया है। हिंदुओं पर इस कदर अत्याचार होने के बाद भी कोई भी उनके समर्थन के लिए आगे नहीं आ रहा है। विश्व का कोई भी देश इसके खिलाफ आवाज नहीं उठा रहा है। यहां तक कि भारत भी बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। जो राजनैतिक दल जरा जरा सी बातों को लेकर हंगामा खड़ा कर देते हैं, वे सब भी चुप्पी साधे बैठे हैं और इसका केवल एक ही कारण है और वह खुद हिंदुओं का कुभकर्णी नींद सोना है। भारत के टुकड़े-टुकड़े होते गए और अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश बनते गए मगर हिंदू या तो चैन की नींद सोते रहे या फिर आपस में ही लडते रहे। आज बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार के समय भी यही सब हो रहा है। हिंदुओं को पता नहीं कि अगर बांग्लादेश से हिंदू खत्म हो गए तो अगला निशाना पश्चिम बंगाल होगा।

एक लाख लीटर क्षमता के दुग्ध उत्पादन संयंत्र से आसपास के इलाके के लोगों को काफी फायदा मिलेगा : मुख्यमंत्री

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज गोपालगंज जिले के कटेया प्रखंड के बैरिया ग्राम में एक लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता के दुग्ध उत्पादन संयंत्र का भूमि पूजन एवं अनावरण कर शिलान्यास किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आज यहां दुग्ध उत्पाद संयंत्र का शिलान्यास किया गया है, इसका काम निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण कराएं। इसका काम पूरा हो जाने से आसपास के इलाके के लोगों को काफी फायदा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल और हरियाली के बीच ही जीवन सुरक्षित है, जिसे ध्यान में रखते हुए हमलोगों ने जल-जीवन-हरियाली अभियान की शुरूआत कराई। पर्यावरण को संरक्षित रखना हम सभी का दायित्व है। राज्य सरकार द्वारा सात निश्चय-2 के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 तक 7, 000 नई दुग्ध समितियों के गठन की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके अन्तर्गत गोपालगंज जिले में भी बड़ी संख्या

में दुग्ध समितियों का गठन किया जाना है। नई गठित समितियों से प्राप्त होने वाले दुध की स्थानीय स्तर पर प्रोसेसिंग से लोग दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे। इसको ध्यान में रखते हुए यहां 1 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता के दुग्ध उत्पादन संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जिसकी कुल परियोजना राशि 53.64 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुग्ध उत्पादन संयंत्र का कुल क्षेत्रफल 10.81 एकड़ है, जिसके 7, 197 वर्ग मीटर में विधायन संयंत्र, प्रशासनिक भवन, सर्विस ब्लॉक, पीटीपी भंडार इत्यादि का निर्माण किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा लोगों को दुधारू पशुओं की खरीद पर भी अनुदान दिया जा रहा है। गोपालगंज जिला में स्थापित हो रहे इस दुग्ध उत्पादन संयंत्र से न केवल गोपालगंज जिला के किसान लाभांवित होंगे बल्कि इससे सीवान एवं पश्चिमी चंपारण जिले के करीब 50 हजार किसानों को भी लाभ मिलेगा। पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु देवी ने पुष्प गुच्छ, जबकि पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की प्रधान सचिव डॉ. एन. विजयालक्ष्मी ने मुख्यमंत्री को पौघा भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु देवी, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, गन्ना उद्योग मंत्री सह गोपालगंज जिला के प्रभारी मंत्री कृष्णनंदन पासवान, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री जनक राम, सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन, विधायक अमरेंद्र कुमार पांडे, विधायक कुसुम देवी, विधान पार्षद बीरेंद्र नारायण यादव, पूर्व विधायक मंजित सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की प्रधान सचिव डॉ. एन विजयालक्ष्मी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

वित्त मंत्री ने किसान संघों और कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ की बजट पूर्व दूसरी बैठक

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को नई दिल्ली में विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधियों और प्रमुख कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ दूसरी बजट पूर्व परामर्श बैठक की। निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में ये बैठक केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारियों के तहत हुई। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट में यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 के संबंध में विभिन्न किसान संघों और प्रमुख कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ दूसरे बजट पूर्व परामर्श की अध्यक्षता की। परामर्श बैठक के दौरान केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव और आर्थिक मामलों के विभाग और निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में कृषि क्षेत्र में प्रमुख चुनौतियों और अवसरों को समझने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कृषक समुदाय के प्रतिनिधियों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों के कल्याण में सुधार के उद्देश्य से नीतिगत बदलावों, बजटीय सहायता और सुधारों पर अपने सुझाव साझा दिए। कृषि अर्थशास्त्री टिकाऊ कृषि पद्धतियों, उत्पादकता वृद्धि और बाजार सुधारों पर भी वित्त मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। बजट पूर्व परामर्श की यह बैठक वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठकों की श्रृंखला का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य एक व्यापक और समावेशी बजट के लिए विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों से इनपुट एकत्र करना है। इससे एक दिन पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी केंद्रीय बजट के लिए प्रमुख अर्थशास्त्रियों के इनपुट और सुझाव एकत्र करने के लिए पहली बजट-पूर्व बैठक की अध्यक्षता की थी। उल्लेखनीय है कि आगामी वित्त वर्ष 2025-26 का केंदीय बजट एक फरवरी, 2025 को संसद में पेश होने की संभावना है। यह निर्मला सीतारमण का लगातार आठवां बजट और मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण बजट होगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत में कृषि और किसान संकटः नया खतरा नजर आ रहा है, भारतीय किसानों के पास केवल 0.74 हेक्टेयर भूमि बची

मुंबई । नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चरल एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) ने हाल ही में रिपोर्ट जारी की है, जिसमें भारतीय किसानों की चिंताजनक स्थिति का परिदृश्य पेश किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार 2021-22 में भारतीय किसान परिवारों की मासिक औसत आय सिर्फ 13,661 रुपए है, जिसमें से 11,710 रुपए खर्च हो जाते हैं। इससे बचत मात्र 1,951 रुपए रह जाती है, जो किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। रिपोर्ट ने दर्शाया कि भारतीय किसानों के पास केवल 0.74 हेक्टेयर भूमि बची है, जो पिछले वर्षों में 1.08 हेक्टेयर से कम हो गई है। इससे किसानों की उत्पादकता और आय पर असर पड़ा है। 55.4 फीसदी किसान परिवार कर्जदार हैं, औसतन 91,231 रुपए का कर्ज उन पर है। किसानों के पास आधुनिक उपकरण की कमी, उचित दाम न मिलने से हुआ नुकसान और आर्थिक असुरक्षा के मुद्दों पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट का मानना है कि कृषि संकट न केवल आर्थिक, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक सुधार की मांग करता है। सरकार को किसानों की स्थिति में सुधार करने, कर्ज मुक्ति और फसलों के उचित मूल्य की गारंटी देने के लिए समग्र नीतियां बनानी होंगी। यही हमारी किसानों की मजबूती का रास्ता है, ताकि हम एक समृद्ध और आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्र का निर्माण कर सकें।

कोरियाई कंपनी एलजी ने सेबी में दाखिल किया आईपीओ के लिए आवेदन, 15 हजार करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली । कोरियाई कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने आईपीओ लाने के लिए तैयारी कर ली है। यह देश का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने 1.8 बिलियन डॉलर के आईपीओ के लिए आवेदन किया है। कंपनी अपने योजना के मुताबिक 15 हजार करोड़ रुपये जुटाने की इच्छा रख रही है। आईपीओ के आवेदन में कम्पनी द्वारा करीब 10.2 करोड़ शेयर बेचने का प्रस्ताव शामिल है। इससे पहले कोरियाई कंपनी हुंडई भी आईपीओ लेकर आई थी, जिसका इश्यू साइज 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक था। आईपीओ के 35 फीसदी हिस्सा खुदरा निवेशकों के लिए, 50 फीसदी संस्थागत निवेशकों के लिए और शेष 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित होगा। एलजी कंपनी ने भारत में पिछले करीब तीन दशकों से मजबूती से व्यापार किया है और अलग-अलग उत्पादों में काम कर रही है। आईपीओ में शेयर ओएफएस के तहत जारी किए जाएंगे, लेकिन कोई नया शेयर जारी नहीं होगा।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश में कमी, सोने की कीमतों में नरमी, नवंबर में गोल्ड ईटीएफ में 2.1 बिलियन डॉलर कम निवेश हुआ

नई दिल्ली । गोल्ड में निवेश की मांग नवंबर महीने में कम हो गई है। गोल्ड ईटीएफ के आंकड़े इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के ताजा आंकड़ों के अनुसार ग्लोबल स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में 6 महीने के इनफ्लो के बाद नवंबर में आउटफ्लो की गिरावट देखने को मिली। इसके साथ ही सोने की कीमतों में भी गिरावट के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। नवंबर में वैश्विक बाजार में सोने की कीमत 3 फीसदी से ज्यादा टूटी है। गोल्ड ईटीएफ में निवेश में भी गिरावट का होना वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों से प्रमाणित हुआ है। छह महीने के इनफ्लो के बाद नवंबर में गोल्ड ईटीएफ में 2.1 बिलियन डॉलर यानी 28.6 टन कम निवेश हुआ है। यूरोप में गोल्ड ईटीएफ में निवेश में भी कमी आई है और लगातार 11वें महीने इसमें गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, साल के शुरू से नवंबर तक गोल्ड ईटीएफ में निवेश में 2.6 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

शेयर बाजार में सप्ताह में चार दिन तेजी, एक दिन गिरावट रही सेंसेक्स 81,709 और निफ्टी 24,677.80 पर बंद

मुंबई

बीते सप्ताह देश के शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद तेजी के साथ कारोबार होता देखा गया। लेकिन विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर अडानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, रिलायंस, इंफोसिस, टीसीएस और आईसीआईसीआई बैंक समेत सोलह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार की पिछले पांच दिनों की तेजी शुक्रवार को थम गई। बीते सप्ताह शेयर बाजार में चार दिन तेजी और एक दिन गिरावट रही।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार की शुरुआत लाल निशान पर हुई, लेकिन उसके बाद बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर लौट आया। सोमवार को बीएसई का सेंसेक्स 436.59 अंकों की बढ़त के साथ 80,239.38 पर खुला और 445.29 अंक की बढ़त के साथ 80,248.08 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 146.75 अंक उछलकर 24,277.85 पर खुला और 144.95 अंक बढ़कर 24,276.05 पर बंद हुआ।

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को कारोबार में तेजी देखी गई है। सुबह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही हरे निशान पर खुले। सेंसेक्स 120 अंक ऊपर चढ़कर 80,350 तक के आंकड़े पर खुला और 597.67 अंक या 0.74 प्रतिशत उछलकर 80,845.75 अंक पर बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच मंगलवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार तीसरे सत्र में तेजी रही। निफ्टी भी 33 अंक ऊपर खुला और 24,309 तक पहुंच गया और .10 अंक या 0.75 प्रतिशत बढ़कर 24,457.15 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुला।

सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 190.47 अंक चढ़कर 81,036.22 अंक पर खुला और 110.58 अंक चढ़कर 80,956.33 पर और निफ्टी 10.30 अंक बढ़कर 24,467.45 पर बंद हुआ। निफ्टी 48.1 अंक की बढ़त के साथ 24,505.25 अंक पर खुला और 10.30 अंक बढ़कर 24,467.45 पर बंद हुआ। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 226.41 अंकों की बढ़त के साथ 81,182.74 अंकों पर खुला और 809.53 अंक बढ़कर 81,765.86 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 50 भी 71.7 अंकों की तेजी के साथ 24,539.15 अंकों पर खुला और 240.95 अंक बढ़कर 24,708.40 पर बंद हुआ। शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर खुला।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 75.16 अंक की गिरावट के साथ 81,690.70 अंक पर खुला और 56.74 अंक की गिरावट के साथ 81,709.12 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 25.45 अंक फिसलकर 24,682.95 अंक पर खुला और 30.60 अंक गिरकर 24,677.80 पर बंद हुआ।

जेपी मार्गन ने अदाणी के चार बॉन्ड को ओवरवेट रेटिंग दी, ऋण दबाव कम होने की उम्मीद

मुंबई

अमेरिकी निवेश बैंकर जेपी मॉर्गन ने अदाणी समूह के चार बॉन्ड को ओवरवेट रेटिंग दी है। यह रेटिंग कंपनी के वित्तीय स्थिति और कारोबार के प्रदर्शन के प्रति मुहैया करती है। जेपी मॉर्गन ने अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के तीन बॉन्ड और अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड (अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड की एक सहायक कंपनी) के एक बॉन्ड को भी ओवरवेट रेटिंग दी है।

इसके साथ ही जोखिम को ध्यान में रखते हुए वे अदाणी के अन्य पांच बॉन्ड पर तटस्थ रुख अपनाते हैं और अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के बॉन्ड पर अंडरवेट हैं। जेपी मॉर्गन के इस निर्णय से समूचे बाजार में उत्साह बढ़ा है क्योंकि अदाणी समूह के बॉन्डों को इस प्रकार की ऊंची रेटिंग मिलने से विश्वास और आत्म-विश्वास बढ़ा है। हालांकि, अदाणी समूह ने उन्हें लगाए गए निराधार आरोपों का खंडन किया है और कहा है कि उन्हें उचित समाधान मिलेगा। जेपी मॉर्गन के कहने में अनुसार अदाणी समूह के प्रदर्शन में सुधार होने की संभावना है और इससे बॉन्ड के लिए और अधिक उत्तम स्थिति देखने की संभावना है। जोखिम के संदर्भ में प्रतिभूति और विनिमय आयोग और न्याय विभाग के जांच में त्वरित समाधान की उम्मीद है। एक ओवरवेट रेटिंग के साथ अदाणी समूह ने अपने उद्यमी स्वाभिमान और आत्म-विश्वास को सुधारने का प्रयास जारी रखा है। इसका परिणाम होता है कि उन्हें विभिन्न वित्तीय संस्थाएं से साझेदारी और उचित वित्तीय समर्थन प्राप्त हो सकेगा।

भारतीय निर्यात में वृद्धि के साथ बढ़ती विश्वसनीयता

10 वर्षों में भारत के निर्यात में 67 फीसदी की वृद्धि हासिल की गई

मुंबई

भारतीय निर्यात प्रदर्शन में हो रही उल्लेखनीय वृद्धि ने देश को वैश्विक बाजार में एक मजबूत स्थिति में ले जाने में मदद की है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि पिछले दशक में भारतीय निर्यात 466 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 778 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है, इससे 67 फीसदी की वृद्धि दर्शाते हैं। इस सफलता के पीछे का रहस्य है सरल निर्यात बढ़ाने के लिए तैयार किया गया रोडमैप और विस्तारित नीतियों के तहत निर्यातकों को वित्तीय सहायता प्रदान किया जा रहा है। कृषि, समुद्री उत्पादों के निर्यात, और गुणवत्ता निज़ामन के माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। ये योजनाएं श्रम-प्रधान उद्योगों और निर्यात-आधारित क्षेत्रों को समर्थन प्रदान करने के लिए हैं। इसके साथ ही डिजिटल और क्षेत्रीय पहल के रूप में जिला निर्यात केंद्र कार्यक्रम द्वारा निर्यात को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू किए गए हैं, जिससे निम्न गुणवत्ता वाले आयात को रोकने में मदद मिलेगी। सरकारी प्रयासों और उद्यमिता के साथ भारत का निर्यात सेक्टर विश्वसनीयता बढ़ा रहा है और देश को वैश्विक मंच पर अच्छी दिखाई दे रहा है।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में एक दिन की तेजी के बाद एक बार फिर सोने के भाव में गिरावट का रुख बन गया है। सोना 150 रुपये से 160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,770 रुपये से लेकर 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये से लेकर 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एलन मस्क ने ट्रंप की जीत के लिए चुनाव में पानी की तरह बहाया पैसा

मस्क ने कम से कम 270 मिलियन डॉलर यानी 22,86,11,56,500 रुपए खर्च किए

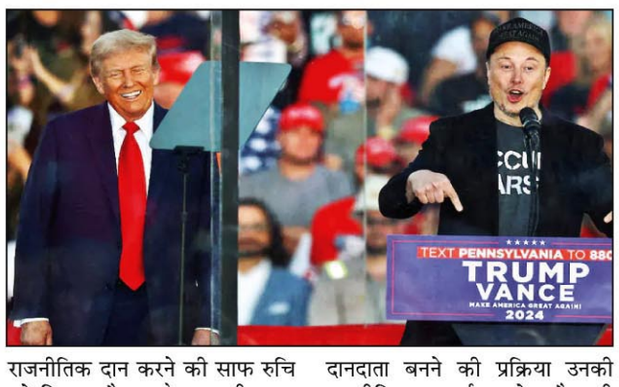

वाशिंगटन

दुनिया के मशहूर अरबपति एलन मस्क ने प्रमुख समर्थक डोनाल्ड ट्रंप की जीत के लिए बेहद भरपूर राशि खर्च की है। अपनी बहुमुखी सहायता के जरिए मस्क ने अमेरिकी चुनाव में एक बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कम से कम 270 मिलियन डॉलर (22,86,11,56,500 रुपये) खर्च करके डोनाल्ड ट्रंप के प्रचार में मदद की है। एलन मस्क का यह कदम उसकी चुनौतीपूर्ण सोच और राजनीतिक दान करने की साफ रुचि को दिखाता है। इसके साथ ही एलन मस्क ने अमेरिका पीएसी और आरबीजी पीएसी को भी बड़े हिस्से में दान दिया है। इससे उन्होंने आर्थिक मदद की और उनका समर्थन भी देखा गया है। एलन मस्क की यह राजनीतिक दानदाता बनने की प्रक्रिया उनकी राजनीतिक सामर्थ्य को और भी मजबूती देती है। उनका अमेरिकी चुनाव में भूमिका खासतौर से महत्वपूर्ण है और इससे उनकी दुनियाभर में षड़यंत्रकारी छाया बने रहने की संभावना बढ़ जाती है। एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप की जीत में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इससे उनकी प्रशंसा भी उनके उच्च स्तरीय समाजिक और राजनीतिक पहचान को और बढ़ा देती है। संघीय चुनाव आयोग को हाल ही में दायर किए गए दस्तावेजों से पता चला है कि एलन मस्क ने अमेरिका पीएसी को 238 मिलियन डॉलर का दान दिया। यह एक राजनीतिक कार्रवाई समिति है, जिसकी स्थापना उन्होंने ट्रंप का समर्थन करने के लिए की थी। इसके अलावा एलन मस्क ने आरबीजी पीएसी को 20 मिलियन डॉलर दिए। यह एक ऐसा समूह है, जो गर्भपात के अहम मुद्दे पर ट्रंप की सख्त छवि को नरम करने के लिए विज्ञापन का इस्तेमाल करता है। नवंबर में अपनी चुनावी जीत के बाद से एलन मस्क डोनाल्ड ट्रंप के साथ लगातार नजर आ रहे हैं।

बॉश कंपनी 7 हजार कर्मचारियों की करेगी छंटनी, जर्मनी में आ सकता है बेरोजगारी का संकट

मुंबई । जर्मनी की एक बड़ी ऑटोमोटिव और टेक्नोलॉजी कंपनी बॉश ने 7,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बनाई है। कंपनी के सीईओ ने बताया कि यह कदम उनके आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए लिया गया है। हालांकि, इससे जर्मनी में बेरोजगारी का संकट आ सकता है।

उन्होंने बताया कि कंपनी का रेवेन्यू 98 बिलियन यूएस डॉलर था, और उनका लक्ष्य है कि इसे 2026 तक 7 फीसदी तक बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि इस समय कंपनी अपने स्टाफिंग संसाधनों को समायोजित करने की जरूरत है। कंपनी ने इस कदम के साथ ही आयरिश कंपनी जॉनसन कंट्रोल्स का अधिग्रहण करने का भी प्लान बनाया है। इस अधिग्रहण से बॉश ने हीट पंप और एयर कंडीशनिंग उद्योग में अपनी स्थिति मजबूत करने की योजना बनाई है।

इस घटना ने आर्थिक समृद्धि और रोजगार के मामले में चिंता बढ़ा दी है, और लोगों में चिंता और असमंजस की भावना उत्पन्न की है। इसके बावजूद, बॉश के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है और उन्हें उनके ध्येय की दिशा में आगे बढ़ने के लिए नेतृत्व करना होगा।

महिला जूनियर एशिया कप : भारतीय हॉकी टीम अपना खिताब बचाने को तैयार

मस्कट

भारतीय जूनियर महिला टीम मस्कट, ओमान में महिला जूनियर एशिया कप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि उनका लक्ष्य पिछले साल के अपने खिताब का बचाव करना है। 7 से 15 दिसंबर 2024 तक होने वाला यह टूर्नामेंट एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में भी काम करेगा, जो चिली में आयोजित किया जाएगा।

भारत का नेतृत्व कोच तुषार खांडकर, कप्तान ज्योति सिंह और उपकप्तान साक्षी राणा करेंगे। टीम में दीपिका, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनेलिता टोप्पो और मुमताज खान जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो पिछले साल की खिताबी जीत के बाद से सीनियर टीम के लिए खेल चुके हैं और टूर्नामेंट के दौरान बाकी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। पिछले साल भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर पहली बार खिताब जीता था।

भारत को पूल ए में रखा गया है और उसका मुकाबला चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश से होगा। पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल होंगे। प्रत्येक टीम अपने पूल में प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी से एक बार भिड़ेगी और प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें न केवल सेमीफाइनल में जगह पक्की करेंगी, बल्कि अगले साल एफआईएच जूनियर विश्व कप में भी जगह बनाएंगी। प्रत्येक पूल की तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम जूनियर विश्व कप के लिए अंतिम स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेगी। कप्तान ज्योति सिंह ने कहा, हम मैदान पर उतरने और टूर्नामेंट की जोरदार शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं। खिताब बचाना चुनौतीपूर्ण होने वाला है लेकिन मुझे यकीन है कि टीम अपना सब कुछ देगी और हमारे देश को गौरवान्वित करेगी। यह टूर्नामेंट इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दांव पर है इसलिए हम फिर से खिताब घर लाने के लिए दोगुना प्रतिबद्ध हैं। उप कप्तान साक्षी राणा ने कहा, टीम ने टूर्नामेंट के लिए कड़ी मेहनत की है और अब प्रदर्शन करने का समय है। हमारे पास बहुत प्रतिभा और जुनून वाली एक अनुभवी टीम है। हमें विश्वास है कि हम अपना खिताब बचा सकते हैं, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अपना पहला मैच 8 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। यदि भारत पूल ए में शीर्ष दो टीमों में से एक के रूप में समाप्त होता है तो वे सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे जो 14 दिसंबर को खेला जाएगा। दोनों सेमीफाइनल के विजेता 15 दिसंबर को खेले जाने वाले फाइनल के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

रियल मैड्रिड में एम्बाप्पे अब भी सुर्खियों में , अलाबा और विनिसियस चोट से वापसी के करीब

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी को शनिवार को गिरोना में होने वाले ला लीगा दौरे से पहले शुक्रवार को एक बार फिर किलियन एमबाप्पे के फॉर्म के बारे में सवालों का जवाब देना पड़ा। मैड्रिड स्पेन के उत्तर-पूर्व की यात्रा पर है, जहां उसे बुधवार रात एथलेटिक बिलबाओ के हाथों 2-1 से पराजय का सामना करना पड़ा था। ऐसा लग रहा था कि मैड्रिड पहुंचने के बाद से एमबाप्पे ने अपनी चिंताजनक फॉर्म को पीछे छोड़ दिया है, क्योंकि उन्होंने पिछले सप्ताहांत गेटाफे के खिलाफ गोल किया था, लेकिन बुधवार को संदेह फिर से उभर आया, जब एथलेटिक डिफेंस ने उन्हें नियंत्रित कर लिया और एक सप्ताह में उनकी दूसरी पेनल्टी भी घरेलू गोलकीपर जुलेन एगिररेजाबाला ने बचा ली। एंसेलोटी ने फ्रांसीसी खिलाड़ी के बारे में कहा, हमें हर चीज पर गौर करना होगा और उसे समझाना होगा कि मैदान पर कैसे सुधार करना है। मुझे लगता है कि उसने अपने खेल की तीव्रता के मामले में बहुत सुधार किया है। वह अच्छे स्तर पर है और हमें उसका समर्थन करना होगा। एंसेलोटी ने कहा कि उनका मानना है कि मैड्रिड में एमबाप्पे की समस्या का एक हिस्सा निरंतरता है, और यह तब आएगा जब वह और उसके साथी उसकी विशेषताओं के अनुकूल होंगे जो व्यक्तिगत और अलग हैं, लेकिन यह धीरे-धीरे आएगा। एंसेलोटी को हमलावर खिलाड़ी विनिसियस जूनियर और मिडफील्डर एडुआर्डो कैमाविंगा के चोटिल होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, साथ ही लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले दानी कार्वाजल, एडर मिलिटाओ और डेविड अलाबा के कारण भी, हालांकि उनके पास अच्छी खबर है, उन्होंने बताया कि विनिसियस अगले सप्ताह अटलांटा के महत्वपूर्ण चैम्पियंस लीग दौरे के लिए फिट हो जाएंगे, और अलाबा ने भी लंबे समय से घुटने की चोट के बाद टीम के साथ प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। गिरोना को सप्ताह के मध्य में निराशा का सामना करना पड़ा था, जब उसे कोपा डेल रे से चौथे दर्जे के लोग्रोनस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, मिशेल सांचेज की टीम ने ला लीगा में अपने पिछले चार मैचों में तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ सुधार किया है।

ऑस्कर मारिटू के चीनी सुपर लीग क्लब युन्नान युकुन में शामिल होने की संभावना

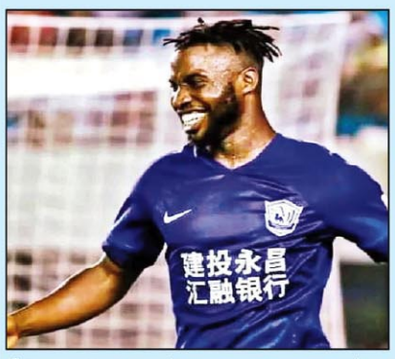

बीजिंग। ऑस्कर मारिटू का युन्नान युकुन में शामिल होना तय है, ऐसी खबरें हैं कि उन्होंने नव-प्रवर्तित चीनी सुपर लीग क्लब के साथ समझौता कर लिया है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य का यह स्ट्राइकर बुधवार रात युक्सी, युन्नान प्रांत पहुंचा, जहां युकुन स्थित है, और वह को प्री-सीजन प्रशिक्षण के लिए टीम में शामिल होगा। इंटरनेट पर पोस्ट की गई एक तस्वीर में फारवर्ड मारिटू को युन्नान युकुन बैनर के नीचे प्रशंसकों के एक समूह के साथ देखा जा सकता है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि मारिटू और युन्नान क्लब ने एक साल के विकल्प के साथ तीन साल के अनुबंध पर सहमति व्यक्त की है। मारिटू ने अगस्त के मध्य में वेतन विवाद के कारण चीन की शीर्ष टीम कैंगझोउ माइटी लायंस को छोड़ दिया था।

टीपीएल

यश मुंबई ईगल्स शीर्ष पर पहुंची ; हैदराबाद स्ट्राइकर्स दूसरे स्थान पर, शीर्ष चार के लिए लड़ाई तेज

मुंबई

मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में चल रहे टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 6 में शुक्रवार को चेन्नई स्मैशर्स के खिलाफ क्लीन स्वीप करने के बाद यश मुंबई ईगल्स तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। क्वालीफिकेशन स्पॉट के लिए लड़ाई तेज होने के साथ, बंगाल विजार्ड्स और गुजरात पैंथर्स के बीच पहले गेम में मुकाबला हुआ। दिन की शुरुआत एकातेरिना काज़ियोनोवा और कामिला राखीमोवा के बीच रोमांचक मैच से हुई, जिसमें महिला एकल वर्ग में कामिला राखीमोवा ने 13-12 से जीत हासिल की। सुमित नागल ने पुरुष एकल वर्ग में निकी पूनाचा को 16-9 के स्कोर से हराया। मिश्रित युगल वर्ग में, कामिला राखीमोवा और श्रीराम बालाजी की बंगाल विजार्ड्स जोड़ी ने एकातेरिना काज़ियोनोवा और सिद्धांत बंथिया के खिलाफ 15-10 से जीत हासिल की। पहले मैच में श्रीराम बालाजी और निकी पूनाचा ने सुमित नागल और सिद्धांत बंथिया के खिलाफ रोमांचक गेम में 13-12 के स्कोर से जीत हासिल की। हालांकि, गुजरात पैंथर्स ने 51-49 से जीत दर्ज करके मैच जीत लिया। चेन्नई स्मैशर्स और यश मुंबई ईगल्स के बीच दिन का दूसरा मैच खेला गया। ज़ेनेप सोनमेज़ ने महिला एकल में अपनी प्रतिद्वंद्वी कोनी पेरिन को 16-9 से हराकर यश मुंबई ईगल्स को बढ़त दिलाई। करण सिंह ने ह्यूगो गैस्टन के खिलाफ़ अपना गेम भी 14-11 के स्कोर से जीता। मिश्रित युगल मुक़ाबला रोमांचक रहा जिसमें यश मुंबई ईगल्स ने ज़ेनेप सोनमेज़ और जीवन

नेदुनचेझियान की बदौलत गेम जीत लिया, जिन्होंने कोनी पेरिन और रित्विक चौधरी बोलिपल्ली को 13-12 के स्कोर से हराया। करण सिंह और जीवन नेदुनचेझियान ने पुरुष युगल वर्ग में ह्यूगो गैस्टन और रित्विक चौधरी बोलिपल्ली को 15-10 के स्कोर से हराकर यश मुंबई ईगल्स को 58-42 के स्कोर से क्लीन स्वीप किया। तीसरे मैच में पंजाब पैट्रियट्स का मुकाबला राजस्थान रेंजर्स से दूसरे हाफ में हुआ। महिला एकल वर्ग में पंजाब पैट्रियट्स की एलिना अवनेस्यान ने राजस्थान रेंजर्स की क्रिस्टीना दीनू को 15-10 के स्कोर से हराया। राजस्थान रेंजर्स के आर्थर फेरी ने पंजाब पैट्रियट्स के मुकुंद शशिकुमार पर दबदबा बनाते हुए पुरुष एकल वर्ग में 16-9 के स्कोर से जीत दर्ज की। मिक्स्ड डबल्स में पंजाब पैट्रियट्स की एलिना अवनेस्यान और साकेत मायनेनी ने क्रिस्टीना दीनू और रोहन बोपन्ना के खिलाफ कड़े मुकाबले में 13-12 के स्कोर से जीत हासिल की। पुरुष युगल श्रेणी के खेल में राजस्थान रेंजर्स के रोहन बोपन्ना और आर्थर फेरी ने पंजाब पैट्रियट्स के मुकुंद शशिकुमार और साकेत मायनेनी को 13-12 के मामूली स्कोर से हराया, जिससे राजस्थान रेंजर्स ने 51-49 के अंतिम स्कोर के साथ जीत दर्ज की।

दिन के आखिरी मैच में बेंगलुरु एसजी पाइपर्स ने हैदराबाद स्ट्राइकर्स के साथ मुकाबला किया। महिला एकल में शुरुआत करते हुए बेंगलुरु एसजी पाइपर्स की गैब्रिएला नटसन ने फॉर्म में चल रही हैरियट डार्ट के खिलाफ 13-12 के स्कोर से जीत हासिल की।

पुरुष एकल श्रेणी में बर्नबे जैपाटा मिरालेस ने हैदराबाद स्ट्राइकर्स के बेंजामिन लॉक को 15-10 के स्कोर से हराकर बेंगलुरु एसजी पाइपर्स के लिए लय बनाए रखी। बेंगलुरु एसजी पाइपर्स के गैब्रिएला नटसन और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने मिक्स्ड डबल्स कैटेगरी में हैदराबाद स्ट्राइकर्स के हैरियट डार्ट और विष्णु वर्धन को 13-12 से हराया।

पुरुष डबल्स में, बेंजामिन लॉक और विष्णु वर्धन ने बर्नबे ज़ापाटा मिरालेस और अनिरुद्ध चंद्रशेखर के खिलाफ एक और कड़े मुकाबले में 13-12 से जीत हासिल की। बेंगलुरु एसजी पाइपर्स ने 53-47 के स्कोर के साथ मैच जीत लिया और रोमांचक दिन का समापन किया। चौथे दिन के अंत में, यश मुंबई ईगल्स 215 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। हैदराबाद स्ट्राइकर्स 211 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। राजस्थान रेंजर्स तीसरे स्थान पर है, उसके बाद गुजरात पैंथर्स 205 और 201 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। बेंगलुरु एसजी पाइपर्स और पंजाब पैट्रियट्स 198 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। चेन्नई स्मैशर्स 190 अंकों के साथ सातवें स्थान पर खिसक गई है, जबकि बंगाल विजार्ड्स 182 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर है।

इंटर मियामी के साथ रिकॉर्ड सीज़न के बाद एमएलएस के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी चुने गए मेसी

नई दिल्ली

इंटर मियामी के साथ एक बेहतरीन सीज़न के बाद लियोनेल मेसी को शुक्रवार को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी चुना गया।

मेसी को यह पुरस्कार उनके प्रदर्शन के बाद दिया गया, जिसकी बदौलत मियामी ने नियमित सत्र में 74 अंकों का रिकॉर्ड बनाया, जिससे क्लब को अपना पहला सपोर्टर्स शील्ड मिला।

एमवीपी समारोह में मेसी ने कहा, मैं यह पुरस्कार किसी और स्थिति में प्राप्त करना पसंद करता, जब मैं शनिवार को फाइनल खेल पाता। इस साल एमएलएस चैंपियन बनने का हमारा बड़ा सपना था। ऐसा नहीं हुआ, लेकिन अगले साल हम फिर से कोशिश करने के लिए और मजबूत होकर वापस आएंगे।

37 वर्षीय अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने लीग में सबसे ज़्यादा 36 गोल (20 गोल और 16 असिस्ट) करके नियमित सीज़न का समापन किया।

यह पुरस्कार मेसी के लिए चोटों से भरे सीज़न में आया है, जिसमें उन्होंने इस साल सिर्फ़ 19 मैच खेले हैं।

एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने कहा,लियो, बधाई। हमारी पूरी लीग, हमारे पूरे देश और यहाँ और पूरी दुनिया में खेल से प्यार करने वाले हर व्यक्ति की ओर से, हम आपको अपनी लीग में पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का मेजर लीग सॉकर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनना हम सभी के लिए एक सपना है।

मेसी और उनकी इंटर मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ में जीत की लय को जारी नहीं रख सके और अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ पहले दौर में ही बाहर हो गए।

मेसी एमवीपी पुरस्कार जीतने वाले 10वें दक्षिण अमेरिकी खिलाड़ी हैं और लुसियानो अकोस्टा, डिएगो वैलेरी, गिलर्मो बैरोस शेलोटो और क्रिश्चियन गोमेज़ के बाद अर्जेंटीना के पांचवें खिलाड़ी हैं।

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष राइडर बने पोगाकर, महिला वर्ग में कोपेकी बनीं विजेता

पेरिस

साइक्लिंग सुपरस्टार तादेज पोगाकर को शुक्रवार को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष राइडर के रूप में वेलो डीओर से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें गिरो डीइटालिया, टूर डी फ्रांस और विश्व चैंपियनशिप में जीत के लिए दिया गया।

बेल्जियम की विश्व चैंपियन लोटे कोपेकी ने महिलाओं का वेलो डी'ओर पुरस्कार जीता, जिसके लिए 40 पत्रकारों की जूरी ने मतदान किया।

स्लोवेनियाई टीम यूएई के राइडर पोगाकर ने 2024 में अपने प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर प्रदर्शन किया, रेस में अपनी तीसरी जीत के लिए टूर डी फ्रांस को पुन: प्राप्त किया, और ओलंपिक खेलों को छोड़ने के बाद स्विट्जरलैंड में अपना पहला विश्व खिताब गिरो डी'इटालिया जीता। आयरलैंड के स्टीफन रोश 1987 में ट्रिपल क्राउन जीतने वाले आखिरी राइडर थे। कुल मिलाकर, पोगाकर ने 25 जीत हासिल कीं, जिसमें लीज-बास्तोगने और टूर ऑफ लोम्बार्डी शामिल है। 2021 के बाद अपना दूसरा वेलो डीओर प्राप्त करते हुए, 26 वर्षीय पोगाकर ने कहा, मैं अभी भी युवा हूं, जैसे-जैसे साल बीतते हैं, हमें चीजों के महत्व का एहसास होता है। मुझे गर्व है कि मेरे सभी कामों को मान्यता मिली है। टूर डी फ्रांस और गिरो दोनों में छह व्यक्तिगत चरण की जीत हासिल करने वाले पोगाकर ने कहा, इस तरह का एक और साल होना लगभग असंभव होगा, लेकिन मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। 2019 में यूएई में शामिल होने के बाद से पोगाकर ने 88 जीत हासिल की हैं और खाड़ी समर्थित संगठन के साथ उनका 2030 तक चलने वाला एक ब्लॉकबस्टर अनुबंध है। वहीं, 29 वर्षीय कोपेकी ने 16 रेस जीतीं और सफलतापूर्वक विश्व खिताब बरकरार रखा। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में इसे अपने सम्मान की सूची में जोड़ना चाहती थी।

सैंडर स्कॉटहेम ने जीता अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले पुरस्कार

नई दिल्ली

नॉर्वे के डेकाथलीट सैंडर स्कॉटहेम ने विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार 2024 में अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले का पुरस्कार जीता।

प्रशंसकों से प्राप्त नामांकन के बाद, अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले समिति (सीआईएफपी) और विश्व एथलेटिक्स के सदस्यों ने 2024 में एथलेटिक्स में पांच फेयर प्ले क्षणों की एक सूची पर निर्णय लेने के लिए एक निर्णायक मंडल का गठन किया, जिसके बाद स्कॉटहेम को विजेता घोषित किया गया।

स्कॉटहेम के लिए निष्पक्ष खेल का क्षण पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में आया, जहाँ पोल वॉल्ट पदक की दौड़ से बाहर होने के बावजूद विश्व इनडोर और यूरोपीय रजत पदक विजेता स्कॉटहेम ने प्रतिस्पर्धा जारी रखने का फैसला किया। इस प्रक्रिया में स्कॉटहेम ने अपने हमवतन मार्कस रूथ का समर्थन किया, और अंतिम अनुशासन - 1500 मीटर में अपने साथी की मदद की।

रूथ ने 8796 अंकों के राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्कोर के साथ नॉर्वे के लिए स्वर्ण पदक जीता, और 48 अंकों से ओलंपिक खिताब जीता।

विश्व एथलेटिक्स के हवाले से स्कॉटहेम ने कहा, मैं यह पुरस्कार पाकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। ओलंपिक मेरे लिए बहुत ही रोचक अनुभव था, क्योंकि मैंने बहुत अच्छी प्रतियोगिता की थी और फिर मैं पोल वॉल्ट में नो-हाइट हो गया और इसने मेरे पदक जीतने की संभावनाओं को बर्बाद कर दिया। उसी समय, मार्कस ने बहुत अच्छी पोल

वॉल्ट प्रतियोगिता की जिसने उन्हें जीतने के लिए एक उत्कृष्ट स्थिति में ला दिया।

स्कॉटहेम के इस वर्ष में 8635 का डेकाथलॉन पीबी हासिल किया था, जिसने उन्हें रोम में यूरोपीय रजत दिलाया और उनके 6407 के हेप्टाथलॉन राष्ट्रीय रिकॉर्ड ने विश्व इनडोर पदक दिलाया।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने कहा: मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि हमारा खेल एथलीटों के बीच निष्पक्ष खेल, ईमानदारी और सौहार्द के क्षणों के मामले में एक उदाहरण बना हुआ है। हम इसे सभी अलग-अलग एथलेटिक्स विषयों में देख रहे हैं - ट्रैक, फ़ील्ड और रोड पर। जिस तरह से सैंडर ने वापसी की, वह एक महान एथलीट की पहचान है। चरित्र की असली परीक्षा मुश्किल समय में होती है, यह तब नहीं होता जब सब कुछ ठीक चल रहा हो, इसलिए मैं सैंडर को उनकी खेल भावना और लचीलेपन के लिए बधाई देता हूँ - वे इस पुरस्कार के योग्य हैं।

सीआईएफपी के अध्यक्ष जेनो कामुती ने कहा, खेल जगत के सबसे महत्वपूर्ण मंच, ओलंपिक खेलों में एक एथलीट से इस तरह के नि:स्वार्थ कार्य को देखना अद्भुत है। विश्व एथलेटिक्स के साथ हमारा संबंध अब 20 वर्षों से अधिक पुराना है, और अध्यक्ष कोए और उनकी टीम के साथ सहयोग करना एक खुशी की बात है। मुझे यह जानकर विशेष प्रसन्नता हो रही है कि हमने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से आगे सहयोग का विस्तार किया है और अब हम पूरे वर्ष एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के प्रस्तावों का संयुक्त रूप से मूल्यांकन करते हैं। सैंडर स्कोथेम को बधाई।

सीआईएफपी की स्थापना 60 साल पहले खेल में निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। यह उन लोगों को सम्मानित करता है जो खेल के लिखित और अलिखित नियमों का सम्मान करते हैं, जिसमें ईमानदारी, एकजुटता, सहिष्णुता, देखभाल, उत्कृष्टता और खुशी शामिल है, और जो मैदान पर और बाहर दूसरों के लिए एक उदाहरण स्थापित करते हैं। सीआईएफपी का विश्व एथलेटिक्स के साथ पहला सहयोग पेरिस में 2003 की विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से शुरू हुआ।

भारतीय खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बेंगलुरु में बनेगा एचएएल-साई हाई-परफॉरमेंस सेंटर

बेंगलुरु

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत बेंगलुरु में एक अत्याधुनिक एचएएल-एसएआई उच्च प्रदर्शन केंद्र की स्थापना के लिए शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस सहयोगात्मक प्रयास का उद्देश्य भारत की खेल प्रतिभा को बढ़ाना है।

इस अवसर पर एचएएल के सीएमडी डीके सुनील, स्वतंत्र निदेशक दिव्या गुप्ता, एचएएल के निदेशक (एचआर) एबी प्रधान, टॉप्स के संयुक्त सीईओ कर्नल राकेश यादव, साई के क्षेत्रीय निदेशक विष्णु सुधाकरन, युवा

मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) के अवर सचिव कामखान सिंह और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। एचएएल भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ साझेदारी में खेलों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने और भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए एक मंच बनाने के लिए समर्थन दे रहा है। अपनी सीएसआर पहल के तहत, एचएएल ने अब साई, बेंगलुरु में एचएएल-साई हाई परफॉरमेंस सेंटर की स्थापना के लिए प्रतिबद्धता जताई है। यह केंद्र एथलीटों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाएगा। इस केंद्र में एंथ्रोपोमेट्री, बायोमैकेनिक्स, एक्सरसाइज बायोकेमिस्ट्री, पोषण, खेल और व्यायाम, फिजियोलॉजी, मनोविज्ञान, स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन, फिजियोथेरेपी आदि क्षेत्रों में सुविधाएं होंगी।

एचएएल हमेशा से ही देश में खेलों के विकास में सबसे आगे रहा है। सीएसआर के हिस्से के रूप में, एचएएल ने पहले ही भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ कोरापुट (ओडिशा) में एचएएल-एसएआई खेल प्रशिक्षण केंद्र चलाने के लिए भागीदारी की है, ताकि आदिवासी युवाओं को तीरंदाजी, फुटबॉल और एथलेटिक्स में प्रशिक्षण दिया जा सके। कंपनी द्वारा उठाया गया एक और महत्वपूर्ण कदम युवा प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए फीफा मानक फुटबॉल मैदानों के साथ बेंगलुरु में फुटबॉल अकादमी की स्थापना करना है।

यह एचएएल-साई हाई-परफॉरमेंस सेंटर भारत की खेल क्षमता को उजागर करने की एचएएल की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस अत्याधुनिक सुविधा के साथ, एथलीटों के पास ओलंपिक सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल होने और राष्ट्रीय गौरव बढ़ाने के सर्वोत्तम अवसर होंगे।

ब्यूटी टिप्स

'वेडिंग डे' पर जब करना पड़े खुद से मेकअप

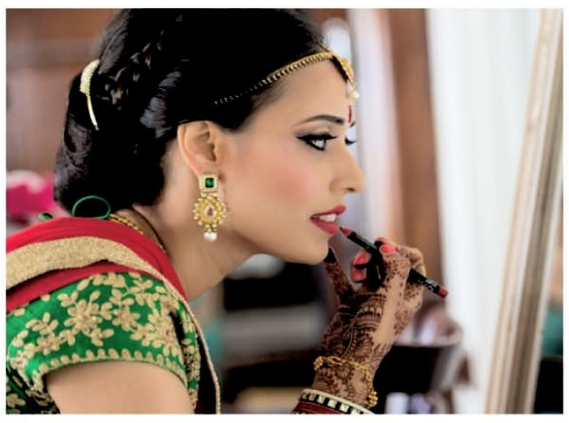

शादी के दिन कई बार ऐसा भी होता है कि सब कुछ पहले से ठीक करने के बावजूद कुछ समस्या आ जाती है. इसमें मुख्य होता है सही मेकअप आर्टिस्ट का मिलना, जिसे खोजकर निकलना मुश्किल होता है. ऐसे में अगर आप अपनी शादी पर खुद ही मेकअप करने के बारें में सोचें, तो कोई गलत बात नहीं, क्योंकि आप अपने चेहरे को जानती हैं और अगर आप थोड़ी सी भी मेकअप में रूचि रखती हैं तो क्या कहने. आप अपने अनुसार अपने आप को खूबसूरत बना सकती है।

'वेडिंग डे' पर अगर आप खुद ही मेकअप करना चाहती हैं तो निम्न बातों का ध्यान अवश्य रखें.

चेहरा

अगर आपके चेहरे पर किसी प्रकार के दाग धब्बे हैं, तो 'वेडिंग डे' से एक दिन पहले अपनी स्किन के अनुसार ब्लीच कर लें. ये ध्यान रखें कि ब्लीच और मोइस्चराइजिंग में एक दिन का अंतर होना बहुत जरूरी है. वेडिंग में मेकअप करने के लिए सबसे पहले फाउंडेशन का प्रयोग अपनी रंगत के अनुसार करें, ये आपको हर उत्पाद में अच्छी तरह लिखा हुआ होता है. दाग-धब्बे होने पर उसे कंसीलर की लेयर से पैक कर फाउंडेशन लगाएं. आजकल वेलवेट मैट फाउंडेशन ट्रेंड में है. फाउंडेशन को चेहरे पर सही तरह से मिलाने के लिए स्पंज का प्रयोग करें, खासकर आंखों के नीचे इसे अच्छी तरह से फैलायें और इसे अच्छी तरह त्वचा में मिलने के लिए थोड़ी समय दें.

आंखें

'वेडिंग ड्रेस' के अनुसार आइ शैडो लगायें, डबल शेड आजकल काफी पौप्युलर है, लेकिन अगर आपको इसका सही पता नहीं चल रहा है, तो आप यूनिवर्सल रंग, गोल्डन या कापर आइ शैडो का प्रयोग कर सकती हैं, जो किसी भी रंग के परिधान पर सही बैठता है. इसके बाद वाटर प्रूफ आइलाइनर ब्लैक या ब्राउन अपने वेडिंग ड्रेस के अनुसार लगायें, बाद में मस्कारा लगाकर फिनिशिंग टच दें. कुछ अलग करने की इच्छा होने पर ड्रेस में प्रयोग किये गए रंगों के आधार पर भी आइलाइनर का प्रयोग कर सकती हैं. अगर आपके आंखों के नीचे काले घेरे हों, तो काजल का प्रयोग न करें.

होंठ

होठों पर लिपस्टिक वेडिंग परिधान के अनुसार ही लगाना सही होता है, इसमें मरून, पिंक, रेड आदि ट्रेंड में है. लिपस्टिक दो तरह के मिलते है 'ग्लिटर' और 'मैट'. आजकल अधिकतर दुल्हने मैट वाली लिपस्टिक लगाती है, क्योंकि इससे नेचुरल लुक मिलता है और लिपस्टिक काफी समय तक टिका रहता है. अपने स्किन टोन से एक डार्क शेड लगाना सही रहता है. लिपस्टिक लगाने से पहले लिप लाइनर अवश्य लगायें. अगर लिप्स चौड़े हैं, तो उन्हें आप लिप लाइनर की सहायता से पतला बना सकती हैं और अगर पतले हैं, तो उन्हें अपने चेहरे के अनुसार शेप दे सकती हैं.

खुद से मेकअप करना आसान है, पर कुछ बातों पर गौर करें

- खुद से मेकअप करने के लिए तकरीबन एक घंटा एक्स्ट्रा समय अपने पास रखें, ताकि किसी काम में अधिक हड़बड़ी न हो.
- मेकअप में प्रयोग किया जाने वाला कोई भी ब्यूटी प्रोडक्ट हमेशा ब्रांडेड और वाटर प्रूफ ही लें, ताकि उसकी फिनिशिंग अच्छी हो और त्वचा पर किसी प्रकार का प्रभाव बाद में न दिखे.
- अपने रंगत के अनुसार उत्पाद लें और वेडिंग डे से पहले एक बार उसे लगाकर देख लें कि आपके मन मुताबिक रंग है या नहीं.
- वेडिंग डे पर रोशनी की व्यवस्था को अवश्य परख लें, ताकि आप सबसे अलग और शानदार दिखें.

ऐसे चुनें अपना शैंपू

सुंदर बाल व्यक्तित्व को निखारते हैं यही वजह है कि बालों का झड़ना, टूटना, उलझना आदि हर महिला को चिंतित करता है. लेकिन बालों की सही देखभाल कर और संतुलित व पौष्टिक डाइट लेने से इन सब समस्याओं से दूर रहा जा सकता है.

इस संबंध में ओरिफ्लेम इंडिया की हेयर ऐक्सपर्ट पल्लवी कहती हैं कि बालों पर मौसम का भी असर पड़ता है. मौनसून के मौसम में बारबार गीले हो जाने की वजह से बाल उलझ जाते हैं. परिणामस्वरूप वे अधिक झड़ने लगते हैं. 60 से 100 बालों का प्रतिदिन झड़ना कोई खास चिंता की बात नहीं. पर 100 से अधिक संख्या में बालों का प्रतिदिन झड़ना चिंता की बात होती है.

बालों की तरह- तरह की समस्याओं के चलते शैंपू के चुनाव में सावधानी बरतना जरूरी है. इस के लिए कुछ खास टिप्स इस तरह हैं.

- अगर आप के हेयर ग्रीसी हैं तो मार्केट में कई प्रकार के ग्रीसी हेयर शैंपू मिलते हैं, जो ग्रीसी हेयर को ठीक कर सकते हैं. बारबार आम शैंपू लगाने से बालों और स्कैल्प का औयल कम हो जाता है, जिस से बालों में डैंड्रफ हो जाता है और उन का झड़ना भी बढ़ जाता है. अत- इस मौसम में बाहर जाने से पहले सीरम जरूर प्रयोग करें.
- शैंपू हेयर टैक्स्चर के आधार पर प्रयोग करें. कई बार पूरा परिवार एक ही शैंपू का प्रयोग करता है, जो ठीक नहीं. अगर आप ने हेयर कलर किए हैं तो उस शैंपू का प्रयोग करें, जो कलर न उतारे और यदि बालों में डैंड्रफ है, तो डैंड्रफ हटाने वाले शैंपू का प्रयोग करें. इसी तरह अगर बाल डैमेज हो रहे हों तो हेयर रिपेयर करने वाले शैंपू का प्रयोग करें.
- शैंपू खरीदने से पहले बालों का टैक्स्चर अवश्य जान लें. कई बार महिलाएं कर्ली बालों को फीजी बाल समझती हैं.
- मौनसून में हेयर औयलिंग बहुत आवश्यक है. इस से बेजान बालों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है. उन की ग्रोथ बढ़ती है, क्योंकि मसाज से औयल बालों की जड़ों तक पहुंचता है. महीने में 2 बार 2 घंटों तक बालों में औयल लगा कर रखना पर्याप्त होता है. आजकल बाजार में औयल के गुण वाले शैंपू भी उपलब्ध हैं.
- आजकल अधिकतर महिलाएं हेयर कलरिंग करती हैं. अत- बारिश के मौसम में कलर प्रोटैक्ट रेंज का प्रयोग ठीक रहता है. इस में शैंपू, कंडीशनर इत्यादि शामिल हैं.
- एक बार कलर करने के बाद बालों को दोबारा 15 दिनों के बाद ही कलर करें. कलर के बाद शैंपू, कंडीशनर लगाने से बाल ठीक रहते हैं. अगर डैमेज हो रहे हों और पोरस भी हैं, तो रैस्टोर वाला शैंपू या फिर हेयर मास्क लगाना सही रहता है.
- मौनसून में बालों को हमेशा फैश दिखाने के लिए गीले बालों को सुखा कर सीरम लगाएं.
- सुंदर बालों के लिए प्रोटीन और विटामिन युक्त डाइट भी आवश्यक है. अगर आप का लाइफस्टाइल ठीक नहीं है, तो सप्लिमैंट का सहारा लें. मल्टी विटामिन और फ्रूट्स का सेवन अवश्य करें.
- सप्ताह में 2-3 बार बालों में शैंपू जरूर करें. और उन्हें भीगने से बचाएं.

आंखों के नीचे डार्क सर्कल की समस्या से पाएं छुटकारा

सूरज की तेज किरणों, खराब डाइट और नींद पूरी न होने के कारण आंखो के नींचे डार्क सर्कल पड़ जाते है। जिससे चेहरा भद्दा दिखने लग जाता है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप कई मंहगें प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते है लेकिन किसी से भी आपको इस समस्या से छुटकारा नहीं मिलता। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह आप 3 दिन में डार्क सर्कल की समस्या से कुछ घरेलू तरीको द्धारा छुटकारा पा सकते है।

1. गुलाब जल

रोजाना कॉटन की मदद से गुलाब जल को आंखो के नीचे 10 मिनट कर लगाए। इससे आंखे भी फ्रैश दिखेंगी और डार्क सर्कल की समस्या भी दूर हो जाएगी।

2. चायपत्ती

चायपत्ती को पानी में अच्छी तरह उबाल कर कॉटन की मदद से आंखों के नींचे लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें। रोजाना ऐसा करने से कुछ ही दिनों में डार्क सर्कल दूर हो जाएंगे।

3. बादाम का तेल

बादाम तेल को आंखो के आस-पास 15-

20 मिनट तक लगाकर छोड़ दें। उसके बाद 10 मिनट तक हल्की मसाज करते हुए इसे कॉटन की मदद से साफ कर लें।

4. पुदीना

पुदीने की पत्तियों को पीस कर 10 मिनट तक आंखों के नींचे लगाए। इसमें मौजूद एंटिसेप्टिक और एंटी-माइक्रोबियल के गुम डार्क सर्कल को 3 दिन में दूर कर देंगे।

5. एवोकैडो

फैटी एसिड, विटामिन श्व, च और क्र के गुणों से भरपूर इस फल को चेहरे और डार्क सर्कल पर लगाए। इससे चेहरे पर निखार और ग्लो आने के साथ डार्क सर्कल भी दूर हो जाते है।

6. जैतून का तेल

जैतून के तेल में हरसिंगार के पौधें को पीस कर आंखों के नीचे लगा लें। नियमित रूप से इसे लगाने पर कुछ ही दिनों में डार्क सर्कल दूर हो जाएंगे।

हेल्थ टिप्स

दिमागी शक्ति को बढ़ाते हैं ये आहार

हम जो चीज खाते हैं, उस का सीधा असर हमारे मस्तिष्क के कार्य पर पड़ता है. यह सिद्ध किया जा चुका है कि सही भोजन खाने से हमारा आई.क्यू. बेहतर होता है, मनोदशा (मूड) अच्छी रहती है, हम भावनात्मक रूप से ज्यादा मजबूत बनते हैं, स्मरणशक्ति तेज होती है व हमारा मस्तिष्क जवान रहता है. यही नहीं, यदि मस्तिष्क को सही पोषक तत्त्व दिए जाएं तो हमारी चिंतन करने की क्षमता बढ़ती है, एकाग्रता बेहतर होती है व हम ज्यादा संतुलित व व्यवस्थित व्यवहार करते हैं.

निम्न फलों और खाद्यपदार्थों पोषक तत्त्वों से भरपूर होने की वजह से बहुत लाभकारी हैं-

सेब सेब में विटामिन सी के साथसाथ 'कुएरसीटिन' नामक पदार्थ भी पाया जाता है, जो एक 'फ्लावोनोइड' है (फ्लावोनोइड पौधों में पाए जाने वाले पिगमेंट होते हैं, जो पत्तियों को पीला, लाल, नीला या अन्य रंग देते हैं). विटामिन सी व 'कुएरसीटिन' दोनों ही ऐंटीऔक्सीडेंट की तरह कार्य करते हैं. ये मुक्त मूलकों के द्वारा किए जाने वाले नर्व डैमेज को रोकते हैं. पार्किंसंस व एल्जिमेर्स जैसी न्यूरोडीजनरेटिव डिजीज से सुरक्षा करते हैं. इस बात का ध्यान रखें कि सेब के छिलकों में कीटनाशक के अंश पाए जाते हैं. अत- ऑर्गेनिक तरीके से उगाए गए सेब खरीदें अथवा सेब को अच्छी तरह धो कर प्रयोग में लाएं. छिलके न निकालें, क्योंकि इन में कई सारे पोषक तत्त्व पाए जाते हैं। एप्पल शेक बनाएं व उस में 1/4 चम्मच दालचीनी का पाउडर डालें. इस से न सिर्फ स्वाद में वृद्धि होगी, बल्कि दालचीनी में प्रचुर मात्रा में ऐंटीऔक्सीडेंट तत्त्व होने की वजह से यह बच्चों के लिए लाभकारी भी होगा.

काले अंगूर काले अंगूरों के बीज में 'गामा लिनोलिक ऐसिड' नामक फैटी ऐसिड पाया जाता है, जोकि एक ओमेगा-6 फैटी ऐसिड है. यह स्ट्रैस के दुष्प्रभाव से भी ब्रेन की रक्षा करता है. अन्य फलों की तरह इस में भी विटामिन सी प्रचुर मात्रा में होता है.

हरी पत्तेदार सब्जियां लौह की कमी को कमजोर स्मरणशक्ति से जोड़ा गया है. रक्त में लौह की कमी होगी, तो रक्त कोशिकाएं कम मात्रा में बनेंगी, जिस का अर्थ है मस्तिष्क तक कम मात्रा में औक्सीजन का पहुंचना और अधिक 'औक्सीडेटिव स्ट्रैस' होना. ऐसा न हो, इस के लिए हरी पत्तेदार सब्जियों, जैसे पालक, सरसों, मेथी, शलगम के पत्तों, लेट्स, पत्तागोभी व अन्य मौसमी सब्जियों का प्रयोग करें. इन में प्रचुर मात्रा में 'केरोटीनोइड्स' भी पाए जाते हैं, जोकि 'ऐंटीऔक्सीडेंट्स' हैं.

ग्रीन टी पानी के बाद ग्रीन टी को दुनिया का सब से बेहतरीन पेयपदार्थ माना जाता है. दिन भर में 2 कप ग्रीन टी न सिर्फ आप की स्मरणशक्ति को बढ़ाएगी, बल्कि आप की एकाग्रता को भी बेहतर करेगी. ग्रीन टी में 'पौली फिनौल्स' प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शक्तिशाली 'ऐंटीऔक्सीडेंट्स' हैं और ब्रेन की रक्षा करते हैं.

डार्क चौकलेट डार्क चौकलेट में पाए जाने वाले 'प्रोसायनेडीस' व 'एपीकेटचिन' नामक फ्लावोनोइड्स मस्तिष्क की तरफ रक्त प्रवाह को बेहतर बनाते हैं. मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक पोषक तत्त्वों की आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं.

हैल्दी औयल औलिव औयल, अलसी का तेल, सफेद सरसों का तेल, कच्ची घानी सरसों का तेल व सनफ्लावर औयल में ओमेगा- 3 फैटी ऐसिड पाया जाता है. यह एक प्रकार का आवश्यक 'फैटी ऐसिड' होता है, जो हमारे शरीर में नहीं बनता, इसलिए इसे डाइट के द्वारा लेना आवश्यक है. यह हमारी कोशिकाओं की टूटफूट की रिपेयर, उन के उचित रखरखाव, हमारे शरीर से हानिकारक पदार्थों को निकालने और उचित पोषण प्राप्त करने के लिए जरूरी है. चूंकि इन औयल्स का स्मोकिंग पौइंट कम होता है, इसलिए इन में पाया जाने वाला फैटी ऐसिड उच्च तापमान पर नष्ट हो जाता है. इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि इन्हें डीप फ्राइंग के लिए प्रयोग न करें. इन का प्रयोग सलाद ड्रैसिंग करने के लिए करें या फिर इन्हें कच्चा ही इस्तेमाल करें.

सुपर किड बनाने की होड़ में पिसता बचपन

हर मातापिता की ख्वाहिश होती है कि जो मुकाम उन्होंने हासिल नहीं किया उसे उन का बच्चा हासिल करे. कई बार इस के लिए बच्चों पर अतिरिक्त दबाव भी बन जाता है. आजकल टीवी पर तमाम तरह के रिऐलिटी शो बच्चों से रिलेटेड भी हैं. इन्हें ले कर भी मातापिता अपने बच्चों के प्रति कुछ अधिक कौंशस हो रहे हैं. हर कोई अपने बच्चे को सुपर किड बनाना चाहता है. जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता जाता है, वह अपने आसपास के माहौल से सीखता जाता है. पहले परिवार से फिर दोस्तों से या फिर टीवी प्रोग्राम्स से।

सृष्टि की उम्र करीब 8 साल है. वह स्कूल जाती है. स्कूल से लौट कर आने तक उस के म्यूजिक टीचर घर आ जाते हैं. उस के बाद उसे ट्यूशन क्लास जाना होता है. वहां से लौटने तक स्विमिंग क्लास जाने का समय हो जाता है. शाम को डांस क्लासेज होती हैं. वहां से लौट कर होमवर्क पूरा करना होता है. तब तक उसे उबासियां आने लगती हैं. वह ऊंघने लगती है तो मां की डांट सुननी पड़ती है.

अब आप ही सोचिए कि नन्ही सी जान और इतना अधिक बोझ. इस भागमभाग के बीच न तो मासूम बचपन को अपनी इच्छा से पंख फैलाने की फुरसत है और न ही थक कर सुस्ताने की. ऐसी दिनचर्या आजकल हर उस बच्चे की है, जिस के मातापिता उसे सब कुछ बनाने की चाह रखते हैं. आजकल पेरैंट्स ने जानेअनजाने अपने अधूरे सपनों और इच्छाओं को मासूम बच्चों की क्षमता और अभिरुचि का आकलन किए बिना उन पर लाद दिया है. हर अभिभावक की बस एक ही इच्छा होती है कि उन का बच्चा हर जगह हर हाल में अव्वल आए. उन का बच्चा आलराउंडर हो. दूसरे बच्चों से अधिक प्रतिभावान हो. सुपर हीरोज की तरह उन का बच्चा भी सुपर किड हो.

दिल्ली के सीनियर ऐडवोकेट, सरफराज ए सिद्दीकी कहते हैं कि अभिभावकों की ऐसी महत्त्वाकांक्षाओं का बोझ मासूमों को अवसाद की ओर ले जा रहा है. अंकों के खेल में अव्वल रहना उन की विवशता बन गया है. यही कारण है कि हर साल जब परीक्षा परिणाम आता है, तो बच्चों की आत्महत्या के दुखद समाचार पढ़ने को मिलते हैं. ऐसा नहीं करना चाहिए. हर मातापिता को यह सोचना चाहिए कि हर बच्चा हर फील्ड में अव्वल नहीं आ सकता. मातापिता बच्चों की खूब देखभाल करते हैं. लेकिन नतीजा कुछ नहीं. तो आखिर कहां है कमी? सच तो यह भी है कि टीवी पर छाए बच्चों के रिऐलिटी शोज ने तो मासूमों की जिंदगी में क्रांति ला दी है. अपनी प्रतिभा को सिद्ध करने के इस संघर्ष के नाम पर मातापिता उन्हें दुनिया भर में अपना नाम रोशन करने का माध्यम समझ बैठे हैं. उन्हें हरफनमौला बनाने के खेल में बचपन की सरलता और सहजता गुम हो चली है. यह बताने की जरूरत नहीं कि बच्चे स्वाभाविक रूप से बड़े कल्पनाशील होते हैं. कुछ नया रचने में रुचि लेते हैं. तभी तो आनंद लेते हुए, खेलते हुए जब किसी कार्य को पूरा करते हैं, तो परिणाम बहुत बेहतर होते हैं.

समाजशास्त्री, डा. कुमार कहते हैं कि बच्चे जिस क्षेत्र में रुचि रखते हैं, उन्हें उस में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन दिया जाना आवश्यक है. अपनी योग्यता और क्षमता के अनुसार स्वयं को निखारने का हर प्रयत्न करने के लिए बच्चों का मार्गदर्शन परिवार वाले ही कर सकते हैं. बच्चों के मन को समझते हुए उन्हें साथ एवं सहयोग कुछ इस तरह से दिया जाए कि बड़ों की आशाएं भार नहीं उत्प्रेरक बनें. मातापिता के लिए समझना महत्त्वपूर्ण है कि बच्चे अभिभावकों के कौशल का प्रदर्शन करने वाले यंत्र भर नहीं हैं.

बच्चे की खूबी पहचानें

इस सबंध में एक अभिनेता ने कहा, ''मैं यह कहना चाहता हूं कि हर बच्चा खास है. यह बात मुझे अपने शोध से पता चली है. हर बच्चे में कोई न कोई खूबी होती है. अभिभावक होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम बच्चे की उस खूबी को पहचानें और उसे निखारने में बच्चे की मदद करें. सब में कोई न कोई योग्यता और कमजोरी होती है. मुझ में भी कुछ काबिलीयत है तो कुछ कमजोरी भी. हमें देखना होगा कि बच्चे को क्या अच्छा लगता है. उस का दिल क्या चाहता है. हमें उस की ख्वाहिश को समझना चाहिए. बच्चे में कोई कमजोरी हो सकती है. हमें उस की मदद करनी चाहिए ताकि वह उस कमजोरी को दूर कर सके. हमारी शिक्षा व्यवस्था ऐसी है कि हम बचपन से ही बच्चे पर फर्स्ट आने का दबाव डालने लगते हैं.।

रेसिपी

एप्पल रबड़ी

सामग्री

3 कप वसा भरपुर दूध
2 1/2 टेबल-स्पून शक्कर
3/4 कप छिले और कसे हुए सेब
3 टेबल-स्पून हल्के उबाले और स्लाईस्ड बादाम
1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर

विधि

एक चौड़ा नॉन-स्टिक पैन गरम करें, दूध डालकर मध्यम आंच पर 20 से 25 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए या मिश्रण के गाढ़े होने तक पका लें। शक्कर और सेब डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। बादाम और इलायची पाउडर छिड़क कर अच्छी तरह मिला लें। कम से कम 2 घंटे के लिए फ्रिज में रखें और ठंडा परोसें। सुलभ सुझाव- इस बात का ध्यान रखें कि आप सेब को रबड़ी में डालने से तुरंत पहले ही कसे, क्योंकि सेब का रंग भूरा हो सकता है।

काजू मटर

सामग्री

तेल 1 टेबलस्पून , काजू 60 ग्राम, गर्म दूध 110 मि.ली, टमाटर 25 ग्राम ,अदरक 1 टीस्पून , काजू पाउडर 2 टेबलस्पून ,तेल 1 टेबलस्पून ,जीरा 1 टीस्पून,हींग 1/4 टीस्पून ,धनिया के सूखे पत्ते 1 टीस्पून,लाल मिर्च 1/4 टीस्पून,हल्दी 1/4 टीस्पून ,धनिया पाउडर 1 टीस्पून ,हरे मटर 200 ग्राम,चीनी 1 टेबलस्पून ,नमक1 टीस्पून,पानी 200 मि.ली ,गर्म मसाला 1/2 टीस्पून।

विधि

एक पैन में तेल डालकर इसमें काजू को गोल्डन फाई कर लें और एक बाउल में गर्म दूध डालकर इसमें फाई किए काजू को 15 मिनट के लिए भिगो कर रखें। अब टमाटर,अदरक,काजू का पाउडर डालकर इसे मिक्सी में डालकर प्यूरी बना लें। इसके बाद एक पैन में तेल डालकर इसमें जीरा और हींग डाल कर भून लीजिए। इसमें अब धनिया पाउडर,लाल मिर्च और हरी मिर्च डालकर मिक्स कर लें और पहले से बना कर रखा हुआ पेस्ट डालकर 3-5 मिनट के लिए भूनें। इस भूने हुए मसाले में अब हल्दी,सूखा धनिया डालकर मिक्स कर लें। अब इसमें मटर,चीनी और नमक को मसाले में डालकर मिला लीजिए। जब मसाले में मटर अच्छी तरह से मिक्स हो जाए तब इसमें पानी डालकर 3-5 मिनट के लिए मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद गर्म मसाला डालकर पहले से दूध में पहले से भिगो कर रखे हुए काजू डालें और 2 मिनट के लिए पकाएं। काजू मटर बनकर तैयार है, इसे सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**